दैनिक सीहोर जिले का प्रथम दैनिक K ✌ K RNI No.MPHIN/2003/10309

क्षितिज ✌ किरण

त्वदीय पाद पंकजम् नमामि देवी नर्मदे | सीहोर जिले, नर्मदापुरम् संभाग एवं जबलपुर से एक साथ प्रकाशित एकमात्र समाचार-पत्र

प्रेरणापुंज -विचित्र कुमार सिन्हा वर्ष-23 अंक-142 सीहोर,बुधवार 22 जुलाई 2026 पृष्ठ-8 मूल्य -1 रूपये सम्पादक- कृष्णकान्त सक्सेना

UCC बिल पास करने वाला देश का चौथा राज्य बना म.प्र

शादी से लेकर लिव-इन तक बदलेंगे ये नियम, सीएम मोहन यादव बोले- 93% जनता हमारे साथ

भोपाल। मध्य प्रदेश विधानसभा में विपक्ष के भारी हंगामे, नारेबाजी और तीखी बहस के बीच %समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक% बहुमत से पारित हो गया है। कांग्रेस विधायकों के लगातार विरोध और 卐चंदा चोरों, गद्दी छोड़ो卐 के नारों के बीच मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने सदन में विधेयक पर अपना वक्तव्य रखा। यूसीसी बिल पारित होने के साथ ही मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, गुजरात और असम के बाद समान नागरिक संहिता लागू करने की दिशा में कदम बढ़ाने वाला देश का प्रमुख राज्य बन गया है।

कांग्रेस वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति कर रही- सीएम मोहन यादव

विधेयक पर अपना वक्तव्य देते हुए मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने विपक्ष पर हमला बोला। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा से तुष्टिकरण और मुस्लिम वोट बैंक की राजनीति करती आई है और देश की जनता की पीठ में खंजर घोंपने का काम किया है।सीएम ने कहा, आज के बाद मध्य प्रदेश में भेदभाव से मुक्ति मिलेगी। कांग्रेसियों के दांत खाने के और दिखाने के और हैं। अब इनका पाखंड और दोहरा रोल नहीं चलेगा। अगर कांग्रेस बाबा साहब अंबेडकर के संविधान का रत्ती भर भी सम्मान करती है, तो उसे इस बिल का खुलकर समर्थन करना चाहिए।मुख्यमंत्री ने आगे कहा कि प्रदेश के 93 प्रतिशत नागरिकों ने यूसीसी का समर्थन किया है। विपक्ष पर तंज कसते हुए उन्होंने चौपाई का उदाहरण दिया- जाकी रही भावना जैसी, प्रभु मूरत देखी तिन्ह तैसी...卐 और कहा कि कांग्रेस की निगाहें खराब हैं, इसलिए उन्हें सीधी बात भी तिरछी दिखाई देती है।मुख्यमंत्री ने यूसीसी विधेयक के मुख्य

प्रावधानों को स्पष्ट करते हुए कहा कि...विवाह पंजीयन- प्रदेश की धरती पर होने वाले सभी विवाहों का शासकीय पंजीयन (रजिस्ट्रेशन) कराना अनिवार्य होगा। पंजीयन न कराने पर जुर्माने का प्रावधान किया गया है।बहुविवाह पर प्रतिबंध- एक पत्नी के जीवित/रहते हुए दूसरे विवाह की अनुमति नहीं होगी। इसी तरह, एक पति के रहते हुए पत्नी को भी दूसरे विवाह की अनुमति नहीं दी जाएगी।समानता व सशक्तिकरण- यह विधेयक महिला सशक्तिकरण, सामाजिक समरसता और समानता को बढ़ावा देने वाला है। हालांकि, नागरिकों के सामाजिक संस्कार पहले की तरह ही चलते रहेंगे।मसूद का संशोधन प्रस्ताव खारिज, हंगामे के बीच बिल पारितसंबोधन के दौरान सीएम ने इतिहास का जिक्र करते हुए कहा कि 1947 में भोपाल को भारत में मिलाने के बजाय पाकिस्तान में मिलाने की कोशिश की गई थी, ऐसे लोगों की मानसिकता पर सवाल उठना चाहिए।मुख्यमंत्री के वक्तव्य के बाद विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने कांग्रेस विधायक आरिफ मसूद से अपने संशोधन प्रस्ताव पर बात रखने को कहा। हालांकि, मसूद का संशोधन प्रस्ताव सदन में खारिज हो गया। इसके तुरंत बाद ही विपक्षी हंगामे के बीच विधानसभा अध्यक्ष ने समान नागरिक संहिता विधेयक को पारित घोषित कर दिया।

मप्र विधानसभा में पहला अनुपूरक बजट पेश, सरकार ने 7,765.77 करोड़ का रखा प्रावधान, कल होगी चर्चा

- सिंचाई, सड़क, परिवहन और किसानों पर विशेष फोकस

भोपाल,(निप्र.) । मध्य प्रदेश सरकार ने विधानसभा के मानसून सत्र के दूसरे दिन मंगलवार को सदन में वित्तीय वर्ष 2026-27 के लिए पहला अनुपूरक बजट पेश किया। इसमें कुल 7,765.77 करोड़ रुपये का प्रावधान का प्रस्ताव रखा है। अब इस पर बुधवार, 22 जुलाई को सदन में चर्चा होगी।विधानसभा के मानसून सत्र के आज दूसरे दिन उपमुख्यमंत्री एवं वित्त मंत्री जगदीश देवड़ा ने वित्तीय वर्ष 2026-27 का पहला अनुपूरक बजट ,765.77 करोड़ रुपये का सदन में पेश किया। विधानसभा अध्यक्ष नरेंद्र सिंह तोमर ने बजट पर चर्चा के लिए समय निर्धारित करते हुए बताया कि 22 जुलाई को सदन में इस पर विस्तृत चर्चा होगी। बजट में 907.59 करोड़ रुपये राजस्व मद तथा 6,858.18 करोड़ रुपये पूंजीगत मद के लिए रखे गए हैं। अनुपूरक बजट में सिंचाई परियोजनाओं, सड़क निर्माण, किसानों के हित, पुलिस आधुनिकीकरण, परिवहन, शिक्षा और पर्यटन समेत कई महत्वपूर्ण क्षेत्रों के लिए अतिरिक्त राशि का प्रावधान किया गया है।

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव से मंगलवार को विधानसभा स्थित समिति कक्ष में शाजापुर विधायक श्री अरूण भीमावद के नेतृत्व में शाजापुर जिले के प्रोग्रेसिव पेंशनर्स एसोसिएशन के प्रतिनिधिमंडल ने सौजन्य भेंट की

नीट पेपर लीक पर प्रधानमंत्री का बड़ा बयान, दोषियों पर सख्त कार्रवाई का भरोसा- किरेन रिजिजू

नई दिल्ली ,(आरएनएस)। केंद्रीय संसदीय कार्य मंत्री किरेन रिजिजू ने बताया कि प्रधानमंत्री ने ह्श्वश्वञ्ज परीक्षा में पेपर लीक के मामले पर सरकार की कार्रवाई का उल्लेख करते हुए कहा कि घटना की जानकारी मिलते ही तत्काल कदम उठाए गए। मामले में अब तक 13 आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है।प्रधानमंत्री ने कहा कि विद्यार्थियों के भविष्य को ध्यान में रखते हुए ह्श्वश्वञ्ज की पुनर्परीक्षा को प्राथमिकता के आधार पर आयोजित किया गया। परीक्षा सफलतापूर्वक संपन्न कराई गई और बिना अनावश्यक विलंब के परिणाम भी घोषित किए गए, ताकि अभ्यर्थियों का शैक्षणिक सत्र प्रभावित न हो।

भोपाल-इंदौर समेत कई जिलों में भारी बारिश का अलर्ट, मालवा से लेकर विंध्य तक बदला मौसम का मिजाज

भोपाल (निप्र)। मध्य प्रदेश में मानसून का ब्रेक टूटते ही बादल झूमकर बरसे। सोमवार आधी रात के बाद से प्रदेश के अधिकांश जिलों में वर्षा का सिलसिला शुरू हुआ तो मंगलवार रात तक रुक-रुक कर चलता रहा। सीधी जिले की मझौली तहसील में सबसे अधिक 124.4 मिलीमीटर वर्षा दर्ज की गई है। अगले 48 घंटे के दौरान भी प्रदेश के कई जिलों में वर्षा की संभावना है।

सीधी और रायसेन में अति भारी बरसात

मौसम विभाग के अनुसार पिछले 24 घंटे के दौरान सीधी जिले के सिहावल में 118.6 और रायसेन जिले के गैरतगंज में 118 मिमी वर्षा दर्ज हुई है। वहीं मऊगंज में 109.0, राजगढ़ 103.0, सागर के देवरी में 96.3, खुरई में 78.0 और बंडा में 74.0 मिमी बरसात दर्ज हुई।

राहुल को धरने से पुलिस उठाकर ले गई- PM आवास के बाहर प्रदर्शन के बाद एक्शन,बाद में छोड़ा

नई दिल्ली । पीएम आवास के पास मंगलवार दोपहर साढ़े तीन बजे धरने पर बैठे कांग्रेसियों को पुलिस शाम साढ़े 6 बजे उठाकर ले गई।3 घंटे के धरने के दौरान सरकार ने राहुल से 2 बार बातचीत की, लेकिन वे नहीं माने। इसके बाद 100 से ज्यादा पुलिसकर्मी पहुंचे तो कांग्रेसियों ने घेरा बना लिया और राहुल तक पहुंचने नहीं दिया।पुलिसकर्मी राहुल गांधी को ले जाने पहुंचे तो वह जमीन पर लेट गए। कांग्रेसियों और पुलिस के बीच आधे घंटे तक धक्का-मुक्की होती रही। पुलिस ने लाठीचार्ज किया।काफी मनाने पर भी जब वह नहीं उठे तो 12 से ज्यादा पुलिसकर्मी उनके हाथ-पैर पकड़कर उठाकर ले गए और बस में बैठाया।

राहुल के अलावा प्रियंका गांधी, मल्लिकार्जुन खड़गे, अखिलेश यादव समेत कई नेता को हिरासत में ले लिया गया है।

सभी नेताओं को छत्रसाल स्टेडियम में रखा गया। यहां से करीब 3 घंटे बाद रात 9.45 बजे सभी को रिहा कर दिया गया। प्रियंका को मंदिर मार्ग थाने ले जाया गया था। प्रियंका से मिलने सोनिया गांधी थाने पहुंची थी।पीएम आवास के पास से हटाने के लिए केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह और गृह सचिव गोविंद मोहन पहुंचे थे। राहुल गांधी से करीब 20 मिनट बात की। इसके बाद जितेंद्र सिंह गृह मंत्री अमित शाह के पास गए। शाह से बातचीत के बाद उन्होंने फिर राहुल से बात की।सोशल मीडिया पोस्ट में जितेंद्र सिंह ने बताया कि राहुल गांधी की मांग थी कि ह्श्वश्वञ्ज पर संसद में चर्चा हो। राहुल की यह मांग मान ली गई थी। लेकिन राहुल अपनी बात से मुकर गए। वह बोले- अब हमारी दो मांगे हैं।

अगर बातचीत करनी है तो सरकार अब खुद जंतर-मंतर पर आएं..., कॉकरोच पार्टी प्रमुख ने दिया अल्टीमेटम

नई दिल्ली(ए)। दिल्ली के जंतर-मंतर पर चल रहा कॉकरोच जनता पार्टी (ष्टछ्वक्क) का विरोध प्रदर्शन मंगलवार को भी जारी रहा।

आंदोलन का नेतृत्व कर रहे अभिजीत दीपके ने सरकार पर वार्ता के नाम पर समय बर्बाद करने का आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि प्रतिनिधिमंडल को बातचीत के लिए बुलाया गया, लेकिन उनके मोबाइल फोन जब्त कर लिए गए और उन्हें एक तरह से नजरबंद रखा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब प्रदर्शनकारी सरकार के पास बातचीत के लिए नहीं जाएंगे, बल्कि सरकार को खुद जंतर-मंतर आकर बातचीत करनी होगी।ष्टछ्वक्क ने आरोप लगाया कि 'संसद चलो' मार्च के दौरान हिरासत में लिए गए कई प्रदर्शनकारियों को अब तक रिहा नहीं किया गया है। पार्टी का दावा है कि उनके वकीलों को भी हिरासत में लिए गए लोगों से मिलने की अनुमति नहीं दी जा रही। संगठन ने चेतावनी दी है कि यदि तय समय तक सभी प्रदर्शनकारियों को रिहा नहीं किया गया और वकीलों को मिलने की अनुमति नहीं मिली, तो वे दिल्ली पुलिस मुख्यालय तक शांतिपूर्ण मार्च निकालेंगे।सोमवार के विरोध मार्च के बाद मंगलवार को एक बार फिर बड़ी संख्या में प्रदर्शनकारी जंतर-मंतर पहुंचे। आंदोलनकारियों ने कहा कि उनकी मांगें पूरी होने तक धरना जारी रहेगा।

कोलकाता में फिर डराने लगा कोरोना, अस्पताल में भर्ती हुए 4 मरीज

कोलकाता (आरएनएस)। कोविड-19 से संक्रमित तीन मरीजों को कोलकाता के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। इससे

पहले, कोविड से संक्रमित 10 साल के एक लड़के को भर्ती कराना पड़ा था। कोरोना वायरस से संक्रमित अब तक चार लोगों का इलाज जारी है। अस्पताल के डॉ. सुभजीत सेन ने कहा, 卐अभी हम मौसमी वायरल इन्फेक्शन खासकर इन्फ्लूएंजा और कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी देख रहे हैं। फिलहाल, हम एसएआरएस-सीओवी-2 इन्फेक्शन वाले तीन मरीजों का इलाज कर रहे हैं। एक मरीज ठीक हो गया है और उसे डिस्चार्ज किया जा रहा है, जबकि दो मरीजों को ऑक्सीजन लेवल कम होने के कारण आईसीयू में भर्ती करना पड़ा था, लेकिन इलाज का उन पर अच्छा असर हुआ है और अब उनकी हालत स्थिर है।卐 डॉक्टर के अनुसार, कोविड-19 का मौजूदा पैटर्न ओमिक्रॉन लहर जैसा ही है, जिसमें ज्यादातर मरीजों में ऊपरी श्वसन तंत्र से जुड़े हल्के लक्षण जैसे बुखार, गले में खराश, खांसी और शरीर में दर्द दिखाई दे रहे हैं। हालांकि, बुजुर्गों और पहले से किसी बीमारी से जूझ रहे लोगों को गंभीर बीमारी का ज्यादा खतरा रहता है।डॉक्टर ने कहा, 卐घबराने की कोई जरूरत नहीं है, क्योंकि समय पर मेडिकल देखभाल मिलने से ज्यादातर मरीज ठीक हो जाते हैं। हालांकि, लोगों को समझदारी से सावधानी बरतनी चाहिए, जैसे भीड़-भाड़ वाली जगहों पर मास्क पहनना, हाथों की साफ-सफाई का ध्यान रखना, वायरस फैलने के दौरान गैर-जरूरी भीड़-भाड़ से बचना और लक्षण बिगडऩे पर तुरंत डॉक्टर से सलाह लेना। अभी डरने की नहीं, बल्कि सतर्क रहने की जरूरत है।卐

दक्षिण सिक्किम में NHPC की परियोजना टनल में विस्फोट से 10 की मौत

शीर्ष प्रबंधन मौके पर पहुंचकर बचाव कार्य में जुटा

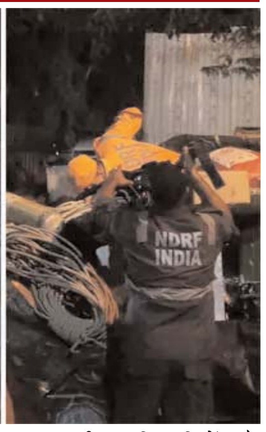

फरीदाबाद (आरएनएस)।एनएचपीसी तीस्ता स्टेज-ङ्कढ्ढ जलविद्युत परियोजना, दक्षिण सिक्किम के समरडुंग में निर्माणाधीन हेड रेस टनल (एचआरटी) के भीतर दिनांक 20 जुलाई 2026 को अपराह्न 1-04 बजे चट्टानों में फँसी/अंतर्निहित संदिग्ध मीथेन गैस के अचानक विस्फोटित होने से एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना घटित हुई, जिसके फलस्वरूप घना धुआँ एवं विषैली गैसें उत्पन्न हुईं।प्रोजेक्ट टीम ने तत्काल अपने इमरजेंसी रिस्पॉन्स प्रोटोकॉल लागू कर दिए। प्रोजेक्ट टीम बचाव कार्यों में मदद के लिए जिला प्रशासन, नेशनल डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एनडीआरएफ), स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ), स्थानीय अधिकारियों और अन्य इमरजेंसी एजेंसियों के साथ मिलकर काम कर रही है। इसके अतिरिक्त, बचाव कार्यों के लिए ष्ठत्र माइन्स-सेफ्टी की एक विशेष बचाव टीम भी साइट पर पहुंच गई है। हमारी साइट इंजीनियरिंग टीमें प्राधिकारियों के साथ मिलकर चौबीसों घंटे काम कर रही हैं ताकि टनल के वातावरण को स्थिर किया जा सके और बचाव कार्य सुनिश्चित हो सके।एनएचपीसी का शीर्ष प्रबंधन साइट पर पहुंच गया है और बचाव टीमों तथा स्थानीय प्राधिकारियों के साथ मिलकर काम कर रहा है। फंसे हुए कार्मिकों को बाहर निकालने के लिए हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं।

कॉकरोच जनता पार्टी ने विजेता दहिया को प्रवक्ता पद से हटाया, वीडियो वायरल होने के बाद एक्शन

नई दिल्ली (आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को पद से हटा दिया है। यह फैसला ऐसे वीडियो के सामने आने के बाद लिया गया, जिन्हें पार्टी ने असंवेदनशील आचरण बताया है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा कथित बल प्रयोग के दौरान विजेता दहिया के कुछ वीडियो सामने आए, जिनमें उनका व्यवहार पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों के अनुरूप नहीं पाया गया। बयान में कहा गया, 卐हम अपने प्रवक्ता विजेता दहिया की अत्यंत असंवेदनशील हरकतों की कड़ी निंदा करते हैं। ऐसे समय में, जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और हमारी टीम पुलिस हिंसा का सामना कर रही थी, उनका व्यवहार पूरी तरह अस्वीकार्य था। यह गंभीर निर्णयहीनता को दर्शाता है और हमारे आंदोलन के मूल सिद्धांतों के विपरीत है।卐पार्टी ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विजेता दहिया को तत्काल प्रभाव से प्रवक्ता पद से हटाया जा रहा है। साथ ही उन्हें पार्टी की सभी आधिकारिक जिम्मेदारियों और दायित्वों से भी मुक्त कर दिया गया है।

बता दें कि 20 जुलाई को जब बड़ी संख्या में छात्र प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने की कोशिश में लगे हुए थे और इस दौरान लाठीचार्ज भी किया गया। बताया जा रहा है कि इस दौरान विजेता दहिया आंदोलन में नहीं थे। उनका बर्गर खाने का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

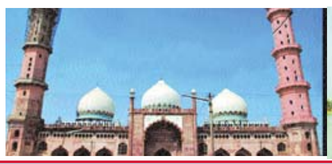

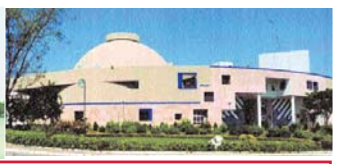

खुले मन से मध्यप्रदेश में करें निवेश, हरसंभव करेंगे मदद : मुख्यमंत्री डॉ. यादव

–लगभग 6 हजार 200 करोड़ रूपये निवेश कर प्रदेश में सेमीकंडक्टर परियोजना स्थापित करेगी कम्पनी

–मुख्यमंत्री से मिले पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीस कम्पनी के निवेशक

भोपाल (ए.)। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने निवेशकों से कहा है कि वे खुले मन से मध्यप्रदेश में निवेश करें, सरकार उनकी हर संभव मदद करेगी। मुख्यमंत्री की उपस्थिति में विज्ञान एवं प्रौद्यागिकी विभाग (मप्र शासन) और मेसर्स पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीस प्राइवेट लिमिटेड कंपनी के बीच एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) हस्ताक्षरित कर आदान–प्रदान किया गया। कम्पनी का कन्ट्री हेड क्वार्टर (कॉर्पोरेट ऑफिस) नवी मुम्बई में है। कंपनी ऑप्टिकल सिस्टम्स का उत्पादन करती है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव से मंगलवार को मध्यप्रदेश विधानसभा स्थित मुख्यमंत्री कक्ष में कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर मंजुल शरद शाह एवं उनके सहयोगियों ने सौजन्य भेंट की। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने निवेशकों का सम्मान भी किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को कम्पनी के पदाधिकारियों ने बताया कि वे मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर परियोजना स्थापित करना चाहते हैं। शुरूआती दौर में कम्पनी करीब 6 हजार 200 करोड़ रुपए का निवेश करेगी। इस परियोजना से 2500 से अधिक प्रत्यक्ष रोजगार सृजित होंगे। उन्होंने बताया कि कम्पनी द्वारा भूमि का चयन कर लिया है। जल्द ही भूमि आवंटन के लिए भी प्रस्ताव देंगे। प्रस्तावित परियोजना के स्थापित होने से मध्यप्रदेश में सेमीकंडक्टर एवं उच्च प्रौद्योगिकी विनिर्माण क्षेत्र को

नई गति मिलेगी तथा राज्य में निवेश, रोजगार सृजन एवं औद्योगिक विकास को भी महत्वपूर्ण बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को प्रमुख सचिव, औद्योगिक नीति एवं निवेश संवर्धन राघवेन्द्र कुमार सिंह ने बताया कि पारस कंपनी को प्रदेश की सेमीकंडक्टर पॉलिसी बेहद पसंद आई है। इस अवसर पर प्रमुख सचिव, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी एम सेलवेंद्रम, प्रबंध निदेशक, मप्र औद्योगिक विकास निगम लिमिटेड चन्द्रमौली शुक्ला एवं अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। एमडी एकेवीएन श्री शुक्ला ने बताया कि मेसर्स पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीस लिमिटेड भारत की अग्रणी रक्षा एवं अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी कंपनियों में से एक है, जो रक्षा, अंतरिक्ष एवं एयरोस्पेस क्षेत्र के लिए स्वदेशी तकनीकों एवं उच्चस्तरीय इंजीनियरिंग समाधान विकसित एवं निर्मित करती है। पारस डिफेंस एंड स्पेस टेक्नोलॉजीज लिमिटेड भारतीय शेयर बाजार में सूचीबद्ध सार्वजनिक कंपनी है तथा कम्पनी के इक्विटी शेयर राष्ट्रीय स्टॉक एक्सचेज एवं बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज में भी सूचीबद्ध हैं। कंपनी को रक्षा एवं उच्च परिशुद्धता विनिर्माण क्षेत्र में 40 वर्षों से अधिक का अनुभव है तथा कंपनी का वर्तमान मार्केट कैपिटलाईजेशन लगभग 10 हजार करोड़ रुपए से अधिक है। कंपनी द्वारा ऑप्टिक्स एवं ऑप्ट्रॉनिक सिस्टम, डिफेंस इलेक्ट्रॉनिक्स, ईओ/आईआर सिस्टम, एंट्री ड्रोन सिस्टम्स, आरएफ एवं माइक्रोवेव सिस्टम, ईएमपी प्रोटेक्शन सिस्टम, क्वान्टम टेक्नोलॉजी, स्पेस टेक्नोलॉजी एवं हेवी इंजीनियरिंग जैसे रणनीतिक क्षेत्रों में कार्य किया जा रहा है। कंपनी के विनिर्माण एवं इंजीनियरिंग प्रतिष्ठान महाराष्ट्र, कर्नाटक एवं तेलंगाना राज्यों में संचालित हैं। यह कंपनी रक्षा मंत्रालय, डीआरडीओ, इसरो, रक्षा सार्वजनिक उपक्रमों एवं अन्य प्रमुख राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय संस्थाओं को तकनीकी समाधान उपलब्ध करा रही है। कंपनी द्वारा वर्तमान में सेमीकंडक्टर विनिर्माण क्षेत्र में संभावनाओं का विस्तार किया जा रहा है। एमडी श्री शुक्ला ने बताया कि बिजनेस एक्स्टेंशन के के लिये कंपनी की विश्वस्तरीय OSAT (Out-sourced Semiconductor Assembly and Test) इकाई म.प्र. में स्थापित करने की योजना है। इस परियोजना की स्थापना के लिए कंपनी को लगभग 50 एकड़ भूमि की आवश्यकता है।

सूबेदार/उप निरीक्षक संवर्ग भर्ती 2025

चयनित अभ्यर्थियों के दस्तावेज़ परीक्षण, चरित्र सत्यापन एवं मेडिकल परीक्षण 27 जुलाई को

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस में सूबेदार/उप निरीक्षक संवर्ग भर्ती वर्ष–2025 के अंतिम परीक्षा परिणाम के आधार पर चयनित अभ्यर्थियों की नियुक्ति प्रक्रिया को आगे बढ़ाते हुए दस्तावेज़ परीक्षण, चरित्र सत्यापन एवं मेडिकल परीक्षण की कार्यवाही 27 जुलाई 2026 को प्रदेश के चार नोडल केन्द्रों भोपाल, इंदौर, ग्वालियर और जबलपुर पर आयोजित की जाएगी। उल्लेखनीय है कि चयन मण्डल, भोपाल द्वारा भर्ती परीक्षा का अंतिम परिणाम जारी किए जाने के उपरांत नियुक्ति संबंधी कार्यवाही प्रारंभ कर दी गई है। इस संबंध में सूचना, आवश्यक निर्देश एवं विस्तृत कार्यक्रम चयन मण्डल की वेबसाइट www.esb.mp.gov.in पर भी प्रकाशित किए जा चुके हैं।

चयनित अभ्यर्थियों को निम्नलिखित नोडल केन्द्रों पर उपस्थित होना होगा—

जिला भोपाल– कार्यालय पुलिस उपायुक्त, नगरीय पुलिस भोपाल

जिला इंदौर– कार्यालय पुलिस उपायुक्त, नगरीय पुलिस इंदौर

जिला ग्वालियर – पुलिस अधीक्षक कार्यालय, ग्वालियर

जिला जबलपुर – पुलिस अधीक्षक कार्यालय, जबलपुर

सभी चयनित अभ्यर्थियों से अनुरोध है कि वे निर्धारित तिथि, समय एवं स्थान पर सभी आवश्यक मूल दस्तावेजों सहित अनिवार्य रूप से उपस्थित हों, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया समयबद्ध एवं सुचारु रूप से पूर्ण की जा सके।

यूसीसी से असली मुद्दों से ध्यान भटकाने की कोशिश, सरकार पांच श्वेत पत्र जारी करे : जीतू पटवारी

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी ने मंगलवार को विधानसभा में प्रस्तावित समान नागरिक संहिता (यूसीसी) विधेयक का विरोध करते हुए कहा कि यह राज्य सरकार के अधिकार क्षेत्र का विषय नहीं है। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार बेरोजगारी, किसानों की समस्याओं, शिक्षा, स्वास्थ्य, महंगाई और भ्रष्टाचार जैसे मुद्दों से जनता का ध्यान हटाने के लिए यूसीसी का मुद्दा उठा रही है। भोपाल में मंगलवार को पत्रकारों से चर्चा करते हुए पटवारी ने कहा कि प्रदेश की प्राथमिकता किसानों, युवाओं और आम नागरिकों से जुड़े बुनियादी मुद्दों का समाधान होना चाहिए। उनका आरोप था कि प्रदेश में भ्रष्टाचार बढ़ा है और शराब, रेत, शिक्षा तथा खनिज माफिया का प्रभाव लगातार दिखाई दे रहा है। उन्होंने कहा कि सरकार को इन आरोपों पर जवाब देना चाहिए।पटवारी ने कहा कि भारत–अमेरिका के बीच हुए व्यापार समझौते का असर मध्य प्रदेश के किसानों पर पड़ सकता है। उनका तर्क था कि अमेरिका में किसानों को भारी सब्सिडी मिलती है, जबकि प्रदेश का छोटा किसान बढ़ती लागत और सीमित सरकारी सहायता के बीच खेती कर रहा है। ऐसे में पर्याप्त सुरक्षा उपायों के बिना विदेशी प्रतिस्पर्धा किसानों के लिए चुनौती बन सकती है। उन्होंने भाजपा की चुनावी घोषणाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि किसानों से गेहूं 2,700 रुपये, धान 3,100 रुपये, सोयाबीन 6,000 रुपये और मूंगफली 6,200 रुपये प्रति क्विंटल की दर से खरीद का वादा किया गया था। पटवारी का दावा है कि किसानों को अब तक इन वादों के अनुरूप लाभ नहीं मिला।प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि कांग्रेस किसानों की मांगों को लेकर 24 जुलाई को हरदा, होशंगाबाद और नरसिंहपुर में किसान आंदोलन करेगी।

11 वर्षीय बच्चे को मिली नई जिंदगी,छत से गिरने पर दिमाग में जम गया था खून; डॉक्टरों ने जटिल सर्जरी कर बचाई जान

भोपाल (आरएनएस)। छत पर खेलते समय गिरने से गंभीर रूप से घायल हुए 11 वर्षीय रोहित की जटिल ब्रेन सर्जरी कर डॉक्टरों ने उसकी जान बचा ली। हादसे में रोहित के सिर में गंभीर चोट लगी थी और उसके मस्तिष्क में खून जमा हो गया था। करोंद स्थित अटल मल्टीस्पेशियलिटी हॉस्पिटल में न्यूरोसर्जरी विशेषज्ञों ने तत्काल ऑपरेशन कर स्थिति को नियंत्रित किया। अब बच्चे की हालत स्थिर है और वह सामान्य रूप से बातचीत कर रहा है।जानकारी के अनुसार, रोहित घर की छत पर खेल रहा था, तभी अचानक संतुलन बिगड़ने से नीचे गिर गया। हादसे के बाद वह बेहोश हो गया और उसकी नाक से खून निकलने लगा। परिजन उसे तत्काल अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद सीटी स्कैन कराया। जांच में सामने आया कि रोहित के मस्तिष्क में एक्यूट राइट टेम्पोरो–पैरिएटल एपिड्यूरल हेमेटोमा, 7 मिमी लेफ्टवर्ड मिडलाइन शिफ्ट और मल्टीपल हेमरेजिक कंट्यूजन जैसी गंभीर चोटें हैं।

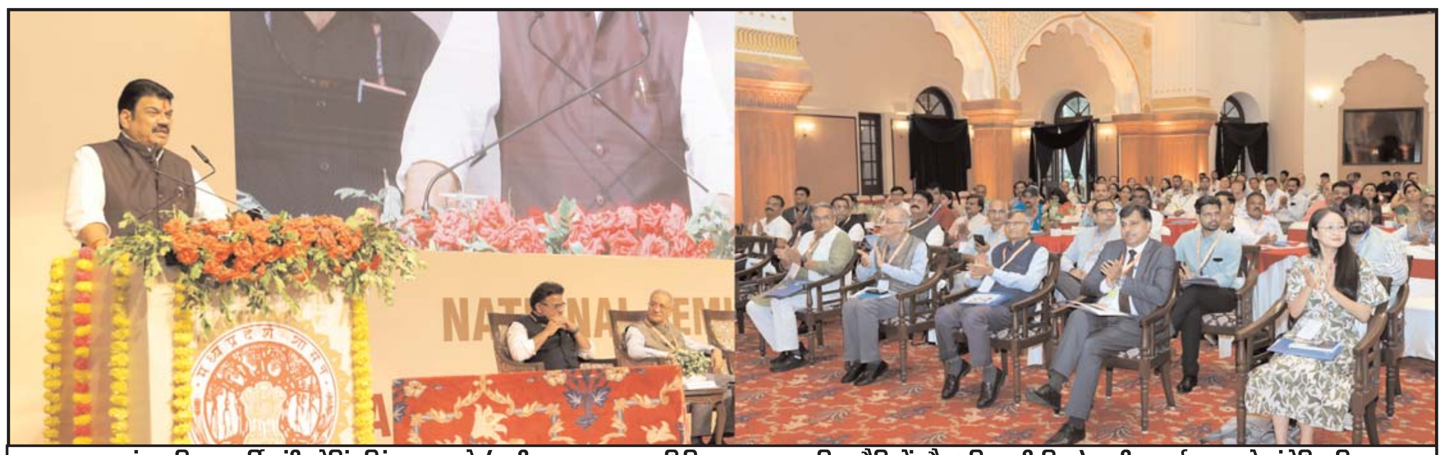

खाद्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री गोविंद सिंह राजपूत ने (राष्ट्रीय खाद्य सुरक्षा अधिनियम 2013 प्रगति चुनौतियों और भविष्य की दिशा) राष्ट्रीय कार्यशाला को संबोधित किया।

मध्यप्रदेश पुलिस का नशे के विरुद्ध सख्त प्रहार

विगत तीन दिनों में 82 लाख रुपये से अधिक के मादक पदार्थ एवं संपत्ति जब्त

भोपाल (ए.)। मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा संचालित राज्यव्यापी जन–जागरूकता अभियान नशे से दूरी है ज़रूरी 2.0 के माध्यम से युवाओं एवं आमजन को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक किया जा रहा है। इसी के साथ मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा नशे के अवैध कारोबार, तस्करी और मादक पदार्थों की आपूर्ति श्रृंखला में शामिल आरोपियों के विरुद्ध भी लगातार सख्त एवं प्रभावी कार्यवाई की जा रही है। इसी क्रम में विगत तीन दिनों में विभिन्न जिलों में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थों की तस्करी एवं कारोबार के विरुद्ध कार्यवाई करते हुए 82 लाख रूपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ एवं तस्करी में प्रयुक्त वाहन जब्त किए।

नीमच : नीमच जिले में मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध लगातार प्रभावी कार्यवाई करते हुए जीरन थाना पुलिस ने ट्रक से 175 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा जब्त कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। जब्त संपत्ति की कीमत लगभग 26 लाख 25 हजार रूपए है। वहीं रतनगढ़ थाना पुलिस ने एक अन्य कार्यवाई में मारुति एसएक्स–4 कार से 120 किलोग्राम अवैध डोडाचूरा बरामद कर एक आरोपी को गिरफ्तार किया। इस कार्यवाई में लगभग 18 लाख रूपए का मादक पदार्थ एवं तस्करी में प्रयुक्त वाहन जब्त किया है। इस प्रकार दोनों कार्यवाही में पुलिस ने 44 लाख 25 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

मंदसौर : जिले में सुवासरा थाना पुलिस ने 80 ग्राम एमडी ड्रग्स एवं डोडाचूरा के साथ गुजरात के तीन तस्करों को गिरफ्तार कर लगभग 1 लाख 60 हजार रूपए मूल्य का मादक पदार्थ जब्त किया। वहीं नारायणगढ़ थाना पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान हरियाणा के दो अंतर्राज्यीय अफीम तस्करों को गिरफ्तार कर

उनके कब्जे से 1.100 किलोग्राम अवैध अफीम, एक स्कार्पियो वाहन एवं दो एंड्रॉयड मोबाइल सहित लगभग 21 लाख 94 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। इस प्रकार दोनों कार्यवाही में पुलिस ने 23 लाख 54 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है।

अशोकनगर : जिले में थाना नईसराय पुलिस ने सूचना के आधार पर ग्राम अजलेश्वर में कार्यवाई करते हुए 1 आरोपी के कब्जे से 63 किलोग्राम हरा गांजा बरामद किया। जब्त गांजे की अनुमानित कीमत 6 लाख 30 हजार रूपये है।

खरगोन : जिले में पुलिस ने अवैध मादक पदार्थ तस्करों के विरुद्ध कार्यवाई करते हुए 5.1 किलोग्राम गांजा के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त अपाचे स्पोर्ट्स मोटरसाइकिल सहित लगभग 2 लाख 50 हजार रूपए की संपत्ति जब्त की है। आरोपियों के विरुद्ध एनडीपीएस अधिनियम के तहत प्रकरण दर्ज कर विवेचना की जा रही है।

शिवपुरी : जिले में चौकी मगरौनी, थाना नरवर पुलिस ने कार्यवाई करते हुए 7.2 ग्राम स्मैक एवं एक मोटरसाइकिल सहित लगभग 1 लाख 30 हजार की संपत्ति जब्त कर 1 आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया।

निर्वाचन तैयारियां एवं स्वीप गतिविधियां तेज, युवाओं ने दिया मतदान जागरुकता का संदेश, भाषण प्रतियोगिता आयोजित

भोपाल (आरएनएस)। दतिया विधानसभा उपनिर्वाचन–2026 को स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण एवं पारदर्शी ढंग से संपन्न कराने के लिए जिला प्रशासन द्वारा तैयारियों को अंतिम रूप दिया जा रहा है। निर्वाचन आयोग के निर्देशानुसार मतदान कर्मियों, माइक्रो ऑब्जर्वरों एवं महिला मतदान दलों का प्रशिक्षण, केंद्रीय सुरक्षा बल के साथ फ्लैग मार्च, शुष्क दिवस की घोषणा तथा स्वीप कार्यक्रमों के माध्यम से व्यापक मतदाता जागरूकता अभियान लगातार संचालित किए जा रहे हैं। विशेष रूप से युवाओं और प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं को लोकतंत्र के इस महापर्व में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया जा रहा है। भारत निर्वाचन आयोग के स्वीप कार्यक्रम के अंतर्गत जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डाइट), दतिया में यूथ चला बूथ की ओर विषय पर भाषण प्रतियोगिता आयोजित की गई। कार्यक्रम में अतिथियों ने लोकतंत्र को सशक्त बनाने में युवाओं की भूमिका, मतदाता जागरूकता तथा मतदान के महत्व पर प्रेरणादायी विचार व्यक्त किए। छात्र–छात्राओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता करते हुए लोकतंत्र में मतदान के महत्व पर प्रभावशाली भाषण दिए तथा विशेष रूप से प्रथम बार मतदान करने वाले मतदाताओं से आगामी निर्वाचन में बढ़–चढ़कर मतदान करने की अपील की।

डीएलएड अभ्यर्थियों ने डीपीआई पहुंचकर नियुक्ति की मांग उठाई, भर्ती से बाहर किए जाने पर जताई आपत्ति

भोपाल,(ए.)। मध्य प्रदेश में प्राथमिक शिक्षक भर्ती–2025 में एनआईओएस से डीएलएड योग्यता प्राप्त अभ्यर्थियों ने मंगलवार को लोक शिक्षण संचालनालय (डीपीआई) पहुंचकर नियुक्ति की मांग को लेकर प्रदर्शन किया। इस दौरान उन्होंने लोक शिक्षण संचालक कामना आचार्य को ज्ञापन सौंपते हुए भर्ती प्रक्रिया में शामिल किए जाने की मांग की।अभ्यर्थियों का आरोप है कि राष्ट्रीय मुक्त विद्यालयी शिक्षा संस्थान (एनआईओएस) से प्राप्त डीएलएड योग्यता को मान्यता प्राप्त होने के बावजूद उन्हें प्राथमिक शिक्षक भर्ती–2025 में पात्रता से बाहर रखा जा रहा है। उनका कहना है कि इससे प्रदेश के हजारों अभ्यर्थियों का भविष्य प्रभावित हो रहा है।प्रदेश के विभिन्न जिलों से पहुंचे अभ्यर्थियों ने बताया कि उन्होंने संचालक के समक्ष सर्वोच्च न्यायालय के आदेश, राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (एनसीटीई) के दिशा–निर्देश तथा अन्य

संबंधित दस्तावेज प्रस्तुत किए। उनका दावा है कि इन दस्तावेजों में एनआईओएस डीएलएड की वैधता स्पष्ट है, इसलिए मध्य प्रदेश की भर्ती प्रक्रिया में भी उन्हें समान अवसर मिलना चाहिए।ज्ञापन में अभ्यर्थियों ने कहा कि उन्होंने शासन द्वारा निर्धारित योग्यता के आधार पर आवेदन किया, प्रशिक्षण पूरा किया और भर्ती प्रक्रिया की सभी आवश्यक शर्तों का पालन किया। इसके बावजूद नियुक्ति से वंचित किए जाने के कारण उन्हें मानसिक, आर्थिक और सामाजिक कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है।अभ्यर्थियों ने दावा किया कि वर्ष 2023 में प्राथमिक शिक्षक भर्ती तथा वर्ष 2026 में माध्यमिक शिक्षक भर्ती में एनआईओएस डीएलएड योग्यता के आधार पर नियुक्तियां दी जा चुकी हैं। उनका कहना है कि समान योग्यता रखने वाले अभ्यर्थियों को प्राथमिक शिक्षक भर्ती–2025 में पात्रता से बाहर रखना समानता के सिद्धांत के विपरीत है।

मालगाड़ी डिरेलमेंट के चलते एक ट्रिप अमृतसर-बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस का मार्ग परिवर्तन

भोपाल (निप्र)। यात्रियों को सूचित किया जाता है कि साहिबाबाद स्टेशन पर हुई रेल दुर्घटना (मालगाड़ी डिरेलमेंट) के कारण उत्तर रेलवे के दिल्ली मंडल द्वारा परिचालन व्यवस्था में आवश्यक परिवर्तन किए गए हैं। इसके परिणामस्वरूप भोपाल मंडल होकर संचालित गाड़ी संख्या 18238 अमृतसर–बिलासपुर छत्तीसगढ़ एक्सप्रेस (प्रारंभिक स्टेशन अमृतसर से 20 जुलाई 2026 को प्रस्थान

गाड़ी) को गाजियाबाद–दिल्ली–नई दिल्ली–हजरत निजामुद्दीन मार्ग से चलाया जा रहा है। यह गाड़ी भोपाल मंडल के निर्धारित स्टेशनों पर अपने निर्धारित मार्ग के अनुसार संचालित होगी। यात्रियों से अनुरोध है कि यात्रा प्रारंभ करने से पूर्व अपने ट्रेन के अद्यतन परिचालन की जानकारी NTES, रेलवे हेल्पलाइन 139 अथवा संबंधित स्टेशन से प्राप्त कर लें। रेल प्रशासन द्वारा संबंधित स्टेशनों पर सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली, स्टेशन सूचना पट्ट, एसएमएस तथा अन्य उपलब्ध माध्यमों से यात्रियों को लगातार जानकारी उपलब्ध कराई जा रही है, जिससे उन्हें किसी प्रकार की असुविधा न हो।

डीजीपी ने भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्त अधिकारियों को लगाई रैंक

आपका कार्य एवं व्यवहार बनेगा अन्य अधिकारियों के लिए प्रेरणास्त्रोत : डीजीपी कैलाश मकवाणा

भोपाल (ए.)। भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार भारतीय पुलिस सेवा (चयन सूची–2025) के अंतर्गत मध्यप्रदेश राज्य पुलिस सेवा के सात अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा (मध्यप्रदेश कैडर) में नियुक्त किया गया है। इसी क्रम में पुलिस महानिदेशक कैलाश मकवाणा ने मंगलवार को पुलिस मुख्यालय, भोपाल में अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा की रैंक लगाई। इस दौरान डीजीपी कैलाश मकवाणा ने सभी अधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि यह उपलब्धि आपकी समर्पित एवं निष्ठापूर्ण सेवा का प्रतिफल है। प्रदेश में कानून एवं शांति व्यवस्था बरकरार रखने में आपने उत्कृष्ट कार्य किया है। मुझे पूर्ण विश्वास है कि भविष्य में भी आप प्रदेश की प्रगति एवं कानून–व्यवस्था बनाए रखने में अपनी नेतृत्व क्षमता का परिचय देंगे। आप अपनी कार्यप्रणाली एवं व्यवहार को ऐसा रखें कि वह अन्य अधिकारियों एवं कर्मचारियों के लिए भी प्रेरणास्त्रोत बने।

उन्होंने कहा कि समय पर योग्य अधिकारियों को अवसर प्रदान किया जाना सदैव सरकार की प्राथमिकता रही है, जिसका परिपालन करते हुए मध्यप्रदेश पुलिस के अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में नियुक्त किया गया है।

डीजीपी श्री मकवाणा ने पुलिस मुख्यालय में श्रीमती निमिषा पाण्डेय, मलय जैन, अमित सक्सेना, श्रीमती मनीषा पाठक सोनी, श्रीमती सुमन गुर्जर, सब्यसाची सराफ तथा समर वर्मा को भारतीय पुलिस सेवा की रैंक लगाई।

उल्लेखनीय है कि भारत सरकार, गृह मंत्रालय द्वारा दिनांक 17 जुलाई 2026 को जारी अधिसूचना के अनुसार भारतीय पुलिस सेवा (चयन सूची–2025) के इन अधिकारियों को भारतीय पुलिस सेवा में परिवीक्षा पर नियुक्त करते हुए मध्यप्रदेश कैडर आवंटित किया गया है। भारतीय पुलिस सेवा (परिवीक्षा) नियम, 1954 के प्रावधानों के अनुसार सभी अधिकारी एक वर्ष की परिवीक्षा अवधि पूर्ण करेंगे तथा निर्धारित इंडक्शन प्रशिक्षण प्राप्त करेंगे।

पेपर लीक पर जवाब देने के बजाय आवाज दबा रही सरकार : अजय सिंह

भोपाल, (ए.)। मध्य प्रदेश विधानसभा के पूर्व नेता प्रतिपक्ष अजय सिंह ने दिल्ली में संसद घेराव कर रहे शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी युवाओं पर हुए लाठीचार्ज की कड़े शब्दों में निंदा की है। उन्होंने कहा कि देश में लगातार हो रहे पेपर लीक और युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ के खिलाफ आवाज उठाना कोई अपराध नहीं है। पिछले बारह वर्षों में अभी तक 113 परीक्षाओं के पेपर लीक हो चुके हैं। दो साल पहले हुई पेपर लीक की जांच की रिपोर्ट अभी तक सामने नहीं आई है। पूर्व नेता प्रतिपक्ष सिंह ने मंगलवार को अपने बयान में कहा कि कल दिल्ली में देश के भविष्य, हमारे युवा साथियों पर पुलिस द्वारा किया गया बर्बर लाठीचार्ज बेहद शर्मनाक और अलोकतांत्रिक है। उन्होंने कहा कि नीट और अन्य परीक्षाओं में लगातार हो रहे पेपर लीक के खिलाफ जब देश का युवा संसद के बाहर शांतिपूर्ण प्रदर्शन कर रहा था, तो सरकार ने उनकी बात सुनने के बजाय उन पर लाठियां बरसवा दीं। उन्होंने कहा कि परीक्षाओं में लगातार हो रही धांधली के बाद केंद्रीय शिक्षा मंत्री को अपने पद पर बने रहने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है इसलिए इस्तीफा लेने के बजाय उन्हें तुरंत हटाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि तानाशाही और लाठी के दम पर युवाओं के आक्रोश और उनके हक की आवाज को दबाया नहीं जा सकता है बल्कि यह आवाज और तेज होगी।पूर्व नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि मध्य प्रदेश सहित पूरे देश का युवा आज इस परीक्षा घोटाले से बुरी तरह पीड़ित है। उन्होंने साफ किया कि कांग्रेस पार्टी देश और प्रदेश के युवाओं के इस संघर्ष में पूरी मजबूती से उनके साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी है। उन्होंने सरकार को चेतावनी देते हुए कहा कि युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बंद होना चाहिए और पेपर लीक माफियाओं पर सख्त से सख्त कार्रवाई की जानी चाहिए।

गिरिबाला ने मां की देखभाल के लिए मांगी जमानत

भोपाल जिला कोर्ट में लगाया आवेदन, कहा- वह 1 वर्ष की हैं, देखभाल की आवश्यकता

भोपाल (आरएनएस)। भोपाल की एक्ट्रेस ट्विशा शर्मा मौत मामले में आरोपी सास गिरिबाला सिंह की ओर से दायर जमानत अर्जी पर मंगलवार को सुनवाई नहीं हो सकी। ट्विशा पक्ष के अधिवक्ता शुभांग दीक्षित ने बताया कि नियमित मजिस्ट्रेट अवकाश पर थीं, जिसके कारण जमानत आवेदन पर सुनवाई नहीं हुई। फिलहाल अदालत ने इस संबंध में कोई आदेश भी पारित नहीं किया है।शुभांग दीक्षित के अनुसार, गिरिबाला सिंह ने अपनी जमानत अर्जी में स्वास्थ्य संबंधी कारणों के साथ पारिवारिक परिस्थितियों का भी उल्लेख किया है। आवेदन में कहा है कि उनकी मां लगभग 100 वर्ष की हैं और उन्हें देखभाल की आवश्यकता है। उल्लेखनीय है कि रिटायर्ड जिला जज गिरिबाला सिंह की ओर से भोपाल कोर्ट में जमानत आवेदन दायर किया गया। वह पिछले 49 दिनों से जेल में हैं।

घर में चोरी की घटना का भी दिया हवाला

अधिवक्ता दीक्षित ने बताया कि जमानत आवेदन में यह भी उल्लेख किया है कि गिरिबाला सिंह के घर में चोरी की घटना हुई थी। इसी आधार पर अदालत से उन्हें जमानत देने का अनुरोध किया है। ट्विशा पक्ष के अधिवक्ता ने स्पष्ट किया कि फिलहाल केवल गिरिबाला सिंह की ओर से ही जमानत अर्जी दायर की गई है। सह आरोपी समर्थ सिंह की ओर से अब तक कोई जमानत आवेदन दाखिल नहीं किया गया है। नियमित मजिस्ट्रेट के अवकाश पर होने के कारण सुनवाई टल गई।

12 मई को हुई थी ट्विशा की मौत

जानकारी के अनुसार, 12 मई की रात संदिग्ध परिस्थितियों में गिरिबाला सिंह की बहू ट्विशा शर्मा की मौत हो गई थी। इसके बाद कटारा हिल्स थाना पुलिस ने 14 मई की रात गिरिबाला सिंह और उनके बेटे समर्थ सिंह के खिलाफ एफआईआर दर्ज की थी।इसी दिन गिरिबाला सिंह की ओर से भोपाल कोर्ट में जमानत आवेदन दायर किया था। 15 मई को सुनवाई के बाद अपर सत्र न्यायाधीश पल्लवी द्विवेदी ने उन्हें जमानत दे दी थी।

बिजली कंपनी के SE पर लोकायुक्त का बड़ा शिकंजा, आय से 258% अधिक 7.16 करोड़ की संपत्ति का खुलासा

मुरैना (ए.) । मध्य प्रदेश में भ्रष्टाचार के खिलाफ लोकायुक्त की बड़ी कार्रवाई सामने आई है। इंदौर लोकायुक्त पुलिस ने मध्य प्रदेश पश्चिम क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के अधीक्षण यंत्री (SE) शिवराम सेमिल के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति के मामले में एक साथ 9 ठिकानों पर छापेमारी की। यह कार्रवाई इंदौर, पीथमपुर, धार और मुरैना में एक साथ की गई।

लोकायुक्त की प्रारंभिक जांच में चौंकाने वाले तथ्य सामने आए हैं। जांच के मुताबिक शिवराम सेमिल ने अपने पूरे सेवाकाल में करीब 2 करोड़ रुपये का वेतन प्राप्त किया, जबकि उनके और उनके परिजनों के नाम पर करीब 7.16 करोड़ रुपये की चल-अचल संपत्ति मिली है। यह उनकी वैध आय से लगभग 258 प्रतिशत अधिक बताई जा रही है। छापेमारी के दौरान लोकायुक्त टीम ने संपत्तियों से जुड़े दस्तावेज, बैंक खातों की जानकारी, निवेश से संबंधित रिकॉर्ड और कई महत्वपूर्ण दस्तावेज जब्त किए हैं।

उर्मिला सैनी हत्याकांड : बेटी को पिता की मौत पर संदेह, सिर मिलने तक नहीं मान रही शव की पहचान; अब DNA जांच होगी

इंदौर (ए.) । इंदौर के संयोगितागंज थाना क्षेत्र स्थित मनोरमागंज में रहने वाली डाक विभाग की सहायक डाक अधिकारी उर्मिला सैनी की हत्या का मामला लगातार सुर्खियों में बना हुआ है। इस मामले में हत्या के आरोपी पति अखिलेश सैनी का शव विदिशा जिले के गंजबासौदा में रेलवे ट्रैक के पास मिला है। हालांकि, मृतका की बेटी प्रेक्षा सैनी ने शव की पहचान को लेकर संदेह जताया है।

प्रेक्षा का कहना है कि उनके पिता अखिलेश सैनी के सिर पर एक विशेष निशान था। जब तक वह सिर देखकर उसकी पुष्टि नहीं कर लेतीं, तब तक उन्हें विश्वास नहीं होगा कि उनकी मां की हत्या करने वाले उनके पिता की मौत हो चुकी है। इसी कारण विदिशा पुलिस सिर की तलाश में जुटी हुई है।

वहीं, रेलवे ट्रैक पर मिले शव की पहचान अखिलेश सैनी के रूप में सुनिश्चित करने के लिए विदिशा पुलिस ने उनके परिजनों के डीएनए सैंपल भी लिए हैं। डीएनए रिपोर्ट आने के बाद ही शव की अंतिम पहचान हो सकेगी।

इधर, संयोगितागंज पुलिस भी पूरे मामले की जांच जारी रखे हुए है। गौरतलब है कि मृतका की बेटी प्रेक्षा सैनी ने पहले अपने पिता पर गंभीर आरोप लगाए थे। उनका कहना था कि अखिलेश सैनी छोटी-छोटी बातों पर उनकी मां उर्मिला सैनी से विवाद और मारपीट करता था। वह हमेशा पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था और यह आरोप लगाता था कि उनका किसी अन्य व्यक्ति से संबंध है। प्रेक्षा के अनुसार, अखिलेश सैनी अक्सर उर्मिला सैनी का मोबाइल फोन चेक करता था और जिन नंबरों पर उनकी बातचीत होती थी, उन लोगों को फोन कर पूछताछ भी करता था। इसी बात को लेकर दोनों के बीच लंबे समय से विवाद चल रहा था। बेटी का आरोप है कि इसी विवाद के चलते अखिलेश सैनी ने उनकी मां की हत्या कर दी।

फिलहाल, जब तक डीएनए जांच की रिपोर्ट नहीं आ जाती, शव की पहचान की पुष्टि नहीं हो जाती और लापता सिर बरामद नहीं हो जाता, तब तक संयोगितागंज और विदिशा पुलिस अपने-अपने स्तर पर मामले की जांच जारी रखे हुए हैं।

इंदौर के गैस पाइपलाइन कांड में पुलिस ने पार्षद सोनी को बनाया आरोपी, हाईकोर्ट को दी जानकारी

इंदौर (ए.)। विजयनगर क्षेत्र में हुए अवंतिका गैस पाइप लाइन विस्फोट में पुलिस ने पार्षद बालमुकुंद सोनी को भी आरोपी बनाया है। इसका खुलासा मंगलवार को हुई सुनवाई के दौरान उस वक्त हुआ, जब

पुलिस ने हाईकोर्ट के समय यह जानकारी रखी। हादसे के समय पार्षद सोनी मौके पर मौजूद थे और उन्होंने ही बोरिंग के लिए स्थान तय किया था। निगम द्वारा प्रस्तुत की गई रिपोर्ट में भी यह उल्लेख है कि पार्षद द्वारा मौके पर बोरिंग कराया जा रहा था।

पिछली सुनवाई को इस मामले में जांच अधिकारी ने केस डायरी कोर्ट में पेश की थी, लेकिन हाईकोर्ट ने जांच की दिशा पर सवाल उठाए थे। हाईकोर्ट ने यह भी कहा था कि यदि जांच में ढिलाई बरती गई तो फिर दूसरी एजेंसी को जांच सौपने की जरुरत महसूस होगी। इसके बाद पुलिस की जांच में तेजी आई और पार्षद भी आरोपी बनाए गए। सुनवाई के दौरान बोरिंग मशीन और वाहन को मालिक के हवाले करने पर भी सवाल उठे। हाईकोर्ट को अफसरों ने बताया कि जिला कोर्ट से बोरिंग मशीन के सुपुर्दगीनामे के आदेश पारित हुए थे।

राजा रघुवंशी हत्याकांड : सोनम की जमानत के मामले में अब 23 जुलाई को होगी अगली सुनवाई

इंदौर (ए.)। राजा रघुवंशी हत्याकांड मामले में सुप्रीम कोर्ट ने मंगवलार को सुनवाई हुई। सोनम पर अपने पति राजा रघुवंशी की हत्या की साजिश रचने और उसे अंजाम देने का आरोप है। कोर्ट में मंगलवार को मेघालय सरकार की उस याचिका पर सुनवाई हुई। जिसमें सोनम को निचली अदालत द्वारा दी गई जमानत और मेघालय हाईकोर्ट द्वारा उसे बरकरार रखने के फैसले को चुनौती दी गई है।

इस मामले में अगली सुनवाई 23 जुलाई को होगी। कोर्ट ने कोर्ट ने संकेत दिए है कि अदालत या तो मेघालय सरकार की अपील पर उनकी दलीलें सुनकर गुण-दोष के आधार पर फैसला करेगी, या फिर सोनम को फिलहाल आत्मसमर्पण करने का निर्देश देगी ताकि पूछताछ हो सके और फिर जमानत के मुद्दे पर विचार करेगी।

इससे पहले सोनम रघुवंशी की जमानत याचिका पर दस दिन पहले सुनवाई थी, लेकिन तब सुनवाई टल गई थी और मंगलवार को सुनवाई हुई। जिसमें मेघालय सरकार सोनम की गिरफ्तारी के समय उपलब्ध कराए गए तथ्यों की प्रति कोर्ट में पेश की। ये वही तथ्य हैं जो सोनम को गिरफ्तारी के समय उसे उपलब्ध कराए गए थे। मेघालय सरकार सोनम की जमानत रद्द करने की मांग भी की।

कान्हा टाइगर रिजर्व में चीतल का शिकार, मांस के साथ दो आरोपी गिरफ्तार; एक फरार

मंडला (ए.)। मंडला के कान्हा टाइगर रिजर्व के खटिया रेंज अंतर्गत बटवार बीट में वन विभाग ने वन्यजीव शिकार के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए चीतल के मांस के साथ दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर टीम ने छापेमारी की और आरोपियों को अभिरक्षा में लेकर वन्यजीव संरक्षण अधिनियम के तहत मामला दर्ज किया। दोनों आरोपियों को न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया है। खटिया रेंज के एसडीओ आशीष पांडे ने बताया कि मुखबिर से सूचना मिली थी कि कुछ लोगों ने चीतल का शिकार किया है और उसका मांस अपने घर ले जाकर पकाने की तैयारी कर रहे हैं। सूचना मिलते ही वन विभाग की टीम ने मौके पर दबिश दी। जांच में दो आरोपी और एक अपचारी बालक की पहचान हुई, जबकि एक अन्य आरोपी अभी फरार है। प्रारंभिक पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि चीतल का शिकार उन्होंने नहीं किया, बल्कि कुत्तों द्वारा मारे गए चीतल के अवशेषों से मांस काटकर अपने घर ले गए थे और उसे पकाने की तैयारी कर रहे थे।

आस्था की अनोखी मिसाल, 51 वैरायटी वाले बगीचे की पहली फसल बाबा श्री महाकाल को समर्पित

उज्जैन(ए.)। विश्व प्रसिद्ध श्री महाकालेश्वर मंदिर में मंगलवार को एक अनोखी भेंट देखने को मिली। जबलपुर निवासी श्रद्धालु रानी सिंह परिहार ने बाबा महाकाल को अंतरराष्ट्रीय बाजार में ढाई लाख रुपये प्रति किलो तक बिकने वाले आम अर्पित किए। रानी सिंह परिहार ने बाबा को करीब 5 किलो आम चढ़ाए। इनमें जापान की प्रसिद्ध मियाजाकी और ऑस्ट्रेलिया की R_2E_2 किस्म शामिल थीं। रानी ने बताया कि मंदिर बाजार मे मियाजाकी आम की अंतरराष्ट्रीय बाजार में कीमत लगभग 2.70 लाख रुपये प्रति किलो है। वहीं, ऑस्ट्रेलियन R_2E_2 की कीमत करीब 1.80 लाख रुपये प्रति किलो बताई जा रही है।

बगीचे की पहली फसल बाबा को समर्पित

रानी सिंह परिहार ने बताया कि जबलपुर के भेड़ाघाट के पास उनका श्री महाकालेश्वर हाइब्रिड फार्म है। 12 एकड़ में फैले इस बगीचे में आम की 51 तरह की वैरायटी लगाई गई हैं। इसमें मियाजाकी, जापानीज, ऑस्ट्रेलियन के अलावा देशी वैरायटी चोसा, मल्लिका और आम्रपाली भी शामिल हैं। उन्होंने कहा, हम हर वर्ष बगीचे की पहली फसल बाबा महाकाल को अर्पित करते हैं। बाबा की कृपा से ही यह बगीचा चल रहा है। उनके अनुसार बगीचे में लगभग 1000 पेड़ और 52 एक्सक्लूसिव ब्रीड के आम लगे हुए हैं।

भक्तों में चर्चा का विषय

महाकाल मंदिर में आमतौर पर भक्त सोना-चांदी, नगदी और आभूषण अर्पित करते हैं। इस बार लाखों रुपये कीमत के फलों की भेंट से श्रद्धालु और पुजारी भी आश्चर्यचकित रह गए। रानी सिंह परिहार ने बताया कि जैसे ही पेड़ों पर नई फसल आती है, वे सबसे पहले बाबा महाकाल के दर्शन करने उज्जैन आते हैं और प्रसाद अर्पित करते हैं। मंदिर प्रशासन ने भक्त की आस्था की सराहना की और प्रसाद स्वरूप उन्हें आशीर्वाद दिया।

व्यापार समाचार

सोने ने पकड़ी रफ्तार, 10 ग्राम 1.47 लाख रुपये के पार; चांदी भी चमकी

नई दिल्ली (ए.)। देश की राजधानी में मंगलवार को सोने की कीमतों में 800 रुपये का बड़ा उछाल देखा गया। मजबूत भौतिक मांग और वैश्विक रुझानों के चलते 10 ग्राम सोने का भाव 1.47 लाख रुपये के पार पहुंच गया। स्थानीय कारोबारियों के अनुसार, 99.9 फीसदी शुद्धता वाली पीली धातु का भाव 1,47,700 रुपये प्रति 10 ग्राम हो गया। इसमें सभी कर शामिल हैं। सोमवार को सोने का भाव 1,46,900 रुपये प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। हालांकि, इस दौरान चांदी का भाव 2,21,500 रुपये प्रति किलोग्राम (सभी करों सहित) पर स्थिर और अपरिवर्तित रहा।

घरेलू सर्राफा बाजार में कारोबारियों ने सोने में लगातार खरीदारी दर्ज की। वहीं, हालिया सुधार के बाद चांदी की कीमतों में कोई खास बदलाव नहीं आया और यह सपाट बनी रही।

सोने की कीमतों में उछाल क्यों आया?

एचडीएफसी सिक्योरिटीज के वरिष्ठ विश्लेषक, जिंस, सौमिल गांधी ने बताया कि सोने की कीमतों में यह वृद्धि अमेरिका-ईरान के नए राजनयिक प्रयासों के कारण हुई। इन राजनयिक प्रयासों से भू-राजनीतिक तनाव में कमी आई है। इससे कच्चे तेल की कीमतों में भी गिरावट दर्ज की गई। इसने सर्राफा बाजार को मजबूत समर्थन प्रदान

किया। गांधी ने आगे कहा कि चीन से मजबूत भौतिक मांग बनी हुई है। साथ ही, केंद्रीय बैंकों द्वारा लगातार खरीदारी भी जारी है। इन दोनों कारकों ने बहुमूल्य धातुओं को लगातार सहारा दिया है।

वैश्विक बाजार में क्या रहा सोने का हाल?

वैश्विक बाजारों में हाजिर सोना 50.12 अमेरिकी डॉलर यानी 1.25 फीसदी बढ़कर 4,057.89 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गया। कोटक सिक्योरिटीज की एवीपी जिंस अनुसंधान, कायनात चैनवाला ने बताया कि हाजिर सोने की कीमतें मंगलवार को ऊपर चढ़ीं। यह 4,082 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस के इंट्राडे उच्च स्तर पर पहुंच गया। पिछले सप्ताह 4,000 अमेरिकी डॉलर से नीचे की गिरावट आई थी। इस गिरावट के बाद धातु ने अपनी खोई हुई जमीन वापस पाई है। चांदी भी 4 फीसदी से अधिक बढ़कर 58.80 अमेरिकी डॉलर प्रति औंस हो गई।

चांदी ने क्यों किया बेहतर प्रदर्शन?

मिराए एसेट शेयरखान के जिंस प्रमुख, प्रवीण सिंह के अनुसार, चांदी ने बेहतर प्रदर्शन किया है। इसकी मुख्य वजह अमेरिका और ईरान के बीच राजनयिक वार्ता से क्षेत्रीय तनाव कम होने की उम्मीद है। सिंह ने बताया कि चीन ने अपने प्रौद्योगिकी शेयरों में आई मंदी को स्थिर करने के लिए नवीनतम प्रयास किए हैं।

बड़े पैमाने पर राज्य-समर्थित निवेश के कारण निवेशक भावना में सुधार हुआ है। इसने औद्योगिक धातुओं, विशेषकर चांदी के प्रति निवेशक रुझान को बेहतर बनाया है। इसके अतिरिक्त, मध्य पूर्व में चल रहे संघर्ष के कारण चीन ने ईंधन निर्यात पर कड़े प्रतिबंध बनाए रखे हैं। इस कदम से ऊर्जा कीमतों को भी और समर्थन मिला है।

ऑटोमोबाइल बाजार को रथ यात्रा ने दी नई रफ्तार, वाहनों की बढ़ी बिक्री

अहमदाबाद (ए.)। ऑटोमोबाइल खुदरा बाजार को हाल ही में यहां संपन्न हुई रथ यात्रा ने जबरदस्त रफ्तार प्रदान की है। इस पर्व के दौरान ग्राहकों की पूछताछ में उल्लेखनीय वृद्धि और वाहनों के पंजीकरण की संख्या में उछाल दर्ज किया गया है। ऑटोमोबाइल खुदरा क्षेत्र में यह सकारात्मक बढ़ोतरी का रुझान बना हुआ है। बाजार में इस वृद्धि के पीछे कई प्रमुख कारक जिम्मेदार हैं, जिनमें ग्राहकों का बढ़ता भरोसा, कम ब्याज दर पर वाहन ऋण की आसान उपलब्धता, और विशेष रूप से यात्री वाहनों तथा दोपहिया वाहनों के क्षेत्र में बिजली से चलने वाले वाहनों (ईवी) को तेजी से अपनाया जाना शामिल है। बिजली से चलने वाले वाहनों की मांग लगातार बढ़ रही है, जो पर्यावरण के अनुकूल परिवहन समाधानों के प्रति उपभोक्ताओं की बदलती पसंद को दर्शाती है। इस वर्ष सामान्य से कम बारिश के अनुमान के बावजूद, ग्रामीण इलाकों में वाहनों की मांग पर कोई खास असर नहीं पड़ा है।

रुपया छह पैसे टूटकर 96.42 प्रति डॉलर पर खुला

- रुपया पिछले दिन डॉलर के मुकाबले 96.36 पर बंद हुआ था

मुंबई (ए.)। रुपया मंगलवार को शुरुआती कारोबार में छह पैसे टूटकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर आ गया। वैश्विक

अनिश्चितता बढ़ने से एशिया की अधिकतर मुद्राओं की तरह रुपया भी दबाव में रहा। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने बताया कि निवेशकों के सुरक्षित निवेश विकल्पों की ओर रुख करने से अमेरिकी डॉलर की मांग बढ़ी जिससे भी रुपये पर दबाव बना। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया 96.41 प्रति डॉलर पर खुला। बाद में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.42 पर पहुंच गया जो पिछले बंद भाव से छह पैसे की गिरावट है। रुपया सोमवार को अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 96.36 पर बंद हुआ था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.03 प्रतिशत की मामूली बढ़त के साथ 100.97 पर रहा।

सात प्रतिशत प्रीमियम के साथ लिस्ट हुए शेयर, 1.25 लाख करोड़ के पार पहुंची मार्केट वैल्यू

नई दिल्ली (ए.) । भारतीय शेयर बाजार में आज एक और बड़े कॉर्पोरेट नाम की धमाकेदार एंट्री हुई है। देश की सबसे बड़ी एसेट मैनेजमेंट कंपनी, एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के शेयरों ने मंगलवार को बाजार में करीब सात फीसदी के प्रीमियम के साथ अपना सफर शुरू किया। कंपनी की इस मजबूत लिस्टिंग ने निवेशकों के उत्साह को बढ़ा दिया है, जिसके चलते लिस्टिंग के साथ ही कंपनी का कुल बाजार मूल्यांकन (मार्केट कैप) 1.25 लाख करोड़ के स्तर को पार कर गया है। पिछले हफ्ते बंद हुए इसके आईपीओ को मिले शानदार रिस्पॉन्स के बाद से ही बाजार को इसकी लिस्टिंग से काफी उम्मीदें थीं।

शेयर बाजार में कैसी रही एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट की लिस्टिंग?

बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) पर कंपनी के शेयर अपने इश्यू प्राइस 574 रुपये के मुकाबले 6.27 फीसदी की बढ़त के साथ 610 रुपये पर लिस्ट हुए। लिस्टिंग के तुरंत बाद शेयरों में और तेजी देखी गई और यह इश्यू प्राइस से 8.85 फीसदी उछलकर 624.80 रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। दूसरी ओर, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) पर शेयरों की लिस्टिंग 6.84 फीसदी के प्रीमियम के साथ 613.30 रुपये पर हुई। इस शानदार शुरुआत के साथ ही कंपनी का कुल मार्केट वैल्यूएशन 1,25,845.39 रुपये करोड़ दर्ज किया गया। आसान शब्दों में कहें तो कंपनी ने लिस्ट होते ही अपने निवेशकों को प्रति शेयर अच्छा मुनाफा दिया है।

आईपीओ को निवेशकों से कैसा रिस्पॉन्स मिला था?

एसबीआई फंड्स मैनेजमेंट के आईपीओ को लेकर निवेशकों में भारी उत्साह था। पिछले सप्ताह गुरुवार को बोली लगाने के आखिरी दिन यह आईपीओ कुल 41.66 गुना सब्सक्राइब हुआ था। 9,812.91 करोड़ के इस विशाल आईपीओ के लिए कंपनी ने 545 से 574 प्रति इक्विटी शेयर का प्राइस बैंड तय किया था। निवेशकों ने इसके ऊपरी प्राइस बैंड 574 पर जमकर बोली लगाई, जिसके चलते कंपनी ने शानदार प्रीमियम पर अपनी लिस्टिंग दर्ज कराई है।

ट्रंप के नए टैरिफ से बढ़ा अमेरिका-कनाडा तनाव, 30 दिन बाद लागू होंगे 50% आयात शुल्क

वाशिंगटन (ए.) । अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को कनाडा के ज्यादातर सामानों पर 50 फीसदी सीमा शुल्क (टैरिफ) लगा दिया है। ट्रंप का कहना है कि कनाडा अमेरिकी कारों, शराब और डेयरी उत्पादों के साथ गलत तरीके से भेदभाव करता है। इस फैसले से दोनों देशों के बीच आर्थिक संकट खड़ा हो सकता है। इससे महंगाई बढ़ सकती है और दोनों देशों के आपसी रिश्ते भी खराब हो सकते हैं। अमेरिकी प्रशासन के एक अधिकारी ने बताया कि चीन के अलावा कनाडा ही ऐसा देश था जिसने ट्रंप के पिछले शुल्कों का जवाब दिया था। इसलिए उसे जिम्मेदार ठहराना जरूरी है।

कानून और प्रभावित होने वाले सामान

अधिकारी ने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि ट्रंप ने 1930 के व्यापार अधिनियम की धारा 338 के तहत तीन घोषणाओं पर हस्ताक्षर किए हैं। पिछले साल कुछ डेमोक्रेटिक सांसदों ने इस धारा को खत्म करने की मांग की थी क्योंकि उन्हें डर था कि ट्रंप इसका इस्तेमाल अर्थव्यवस्था को अस्थिर करने के लिए कर सकते हैं। इस 50 फीसदी शुल्क से ऊर्जा उत्पाद, पोटाश, मछली और जरूरी खनिजों को बाहर रखा गया है। लेकिन इसमें वे सामान शामिल होंगे जिन्हें पहले कनाडा-अमेरिका-मैक्सिको समझौते (USMCA) के तहत सुरक्षा मिली हुई थी। अमेरिका ने इस समझौते को आगे नहीं बढ़ाया है, जिससे बातचीत का एक नया दौर शुरू हुआ जो 2036 तक चल सकता है।

शेयर बाजार में गिरावट; सेंसेक्स 238 अंक लुढ़का, निफ्टी 24,200 से नीचे

नई दिल्ली (ए.) । आज भारतीय शेयर बाजार में गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स 238 अंक और निफ्टी 50 अंक से अधिक नीचे बंद हुआ। रिलायंस इंडस्ट्रीज और इंफोसिस के शेयरों में दो फीसदी तक की गिरावट आई। अदाणी टोटल गैस का पहली तिमाही का शुद्ध लाभ 14 फीसदी घटा, जबकि राजस्व 27 फीसदी बढ़ा।

वैश्विक अस्थिरता बढ़ने से भारतीय शेयर बाजार मंगलवार को लाल निशान में बंद हुआ। दिन के अंत में सेंसेक्स 238.41 अंक या 0.31 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 77,470.11 और निफ्टी 50.80 अंक या 0.21 प्रतिशत की गिरावट के साथ 24,187.70 पर था।

रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) और इंफोसिस के शेयरों में दो फीसदी तक की गिरावट देखी गई। क्षेत्रीय रूप से, निफ्टी सूचना प्रौद्योगिकी और निफ्टी सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सूचकांकों में लगभग एक फीसदी की गिरावट आई। हालांकि, निफ्टी रियल्टी और निफ्टी ऑटो सूचकांकों में 1 फीसदी से अधिक की बढ़त दर्ज की गई। समग्र बाजार की स्थिति थोड़ी सकारात्मक रही। एनएसई पर 1,805 शेयरों में बढ़त और 1,503 शेयरों में गिरावट रही। इसके अलावा, 127 शेयर अपरिवर्तित रहे। बाजार पर दबाव बनाने का दाम सरकारी बैंकिंग शेयरों ने किया। सूचकांकों में निफ्टी पीएसयू बैंक 0.88 प्रतिशत की गिरावट के साथ टॉप लूजर था। इसके अलावा, निफ्टी आईटी (0.61 प्रतिशत), निफ्टी ऑयलएंडगैस (0.50 प्रतिशत), निफ्टी कंज्यूमर ड्यूरेबल्स (0.38 प्रतिशत), निफ्टी एफएमसीजी (0.31 प्रतिशत), निफ्टी मीडिया (0.04 प्रतिशत) कमजोरी के साथ बंद हुआ।

आज बाजार में क्या रहा खास?

आज के कारोबार में निफ्टी सूचना प्रौद्योगिकी और सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक सूचकांकों में लगभग एक फीसदी की गिरावट आई। इसके विपरीत, निफ्टी रियल्टी और ऑटो सूचकांकों ने एक फीसदी से अधिक की बढ़त के साथ बाजार को सहारा दिया। बाजार की चौड़ाई थोड़ी सकारात्मक रही। एनएसई पर बढ़त वाले शेयरों की संख्या गिरावट वाले शेयरों से अधिक थी। कुल 1,805 शेयरों में बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी रियल्टी (1.07 प्रतिशत), निफ्टी ऑटो (0.93 प्रतिशत), निफ्टी मेटल (0.63 प्रतिशत), निफ्टी हेल्थकेयर (0.35 प्रतिशत) और निफ्टी फार्मा (0.34 प्रतिशत) बढ़त के साथ बंद हुए।

सम्पादकीय

अभिव्यक्ति हमारा जन्म सिद्ध अधिकार है,
सत्य प्रस्तुत करना हमारा कर्तव्य

संसद या सियासी अखाड़ा?

विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का आज क्या औचित्य रह गया है? अगर ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े और संसद के बीच क्या फर्क रह जाएगा?

मानसून सत्र की शुरुआत के साथ संसद का नज़ारा कुछ बदला नजर आएगा। यह संभवत: पहला मौका है, जब बिना चुनाव हुए सत्ता पक्ष एवं विपक्ष के संख्या बल में गुणात्मक बदलाव हुआ दिखेगा। बजट सत्र के बाद तृणमूल कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) बड़ी टूट-फूट हो चुकी है, जबकि एनसीपी (शरद पवार गुट) के रुख में बदलाव के संकेत मिले हैं। इससे बिना नया जनादेश आए ही सत्ताधारी एनडीए मजबूत हो गया है। इस हद तक कि अभी दो महीने पहले लोकसभा सीटों के परिसीमन के मकसद से लाया गया जो विधेयक गिर गया था, सत्ता पक्ष उसे फिर से लाने की तैयारी में दिखा है।

इसी तरह विवादास्पद विकसित भारत शिक्षा अधिष्ठान विधेयक-2025 और गिरफ्तारी होने पर 30 दिन के अंदर मुख्यमंत्री/ मंत्री पद खत्म करने का प्रावधान करने वाले विधेयक को भी लाने की चर्चा थी (जिसका इरादा शायद टाल दिया है)। पिछले सत्र तक इन विधेयकों के पारित होने की संभावना बेहद कमजोर थी। अभी भी इनके लिए सरकार संख्या बल का पूरा इंतजाम नहीं कर पाई है, लेकिन कुछ और जोड़-तोड़ में कामयाब रही, तो इनके पारित होने की संभावना बन सकती है। मगर यही समस्या है। वह संभावना 2024 में आए जनादेश की भावना के विपरीत होगी। मुद्दा है कि दांव-पेच से जनादेश की भावना को इस तरह धता बताने का चलन आम हो जाता है, तो फिर विचारधारा, नीति, कार्यक्रम, चुनाव घोषणापत्र आदि का क्या औचित्य रह जाएगा?

ये राजनीति के प्रेरक तत्व ना रहें, तो फिर पहलवानी के अखाड़े में होने वाली जोर-आजमाईश और संसदीय प्रक्रियाओं के बीच क्या फर्क रहेगा? क्या उसके बाद भी संसद को बहस के जरिए अधिकतम संभव सहमति निर्माण का मंच माना जा सकेगा? दुर्भाग्यपूर्ण है कि भारत में इन प्रश्नों के उत्तर लगातार नकारात्मक होते गए हैँ। संसद शोर, हंगामे, वॉकआउट, बहिष्कार, और कई बार तो शारीरिक बल के जरिए झड़पों का स्थल बनती चली गई है। नतीजतन, अधिवेशनों से पहले गंभीर बहस से ज्यादा अपेक्षा टकराव और तू तू-मैं- मैं की रहने लगी है। मानसून सत्र के पहले भी राजनीतिक क्षितिज पर यही माहौल हावी नजर आया है।

मनुष्य का पहला धर्म – स्वयं के प्रति ईमानदार होना

प्रो. आरके जैन अरिजीत

दिन का कोलाहल सत्य को दबा सकता है, पर रात का सन्नाटा उसे जगा देता है। जब सारी आवाज़ें थम जाती हैं, तब मनुष्य अपनी ही अंतरात्मा के न्यायालय में खड़ा होता है, जहाँ न बहाने चलते हैं, न मुखौटे टिकते हैं। दिनभर तर्क और धर्म की ओट लेने वाला मन अंतत: एक ही प्रश्न से घिरता है—आज तुमने सच में कितना जिया और कितना खो दिया? विडंबना यह है कि इसी आत्म-पड़ताल से बचने के लिए हम कहते हैं—भगवान सब देख रहा है। यदि इस पर सच्चा विश्वास होता, तो विचार, कर्म और व्यवहार की छोटी-छोटी बेईमानियाँ स्वयं समाप्त हो जातीं। क्योंकि सबसे बड़ी चोरी किसी और की नहीं, अपने ही जीवन की होती है। हम अपने वर्तमान, अपनी सच्चाई, अपनी मुस्कान और अपने अस्तित्व को ही धीरे-धीरे लूटते रहते हैं, फिर भी स्वयं को निर्दोष मानते हैं। ईश्वर का नाम अक्सर वहीं सबसे अधिक लिया जाता है, जहाँ विश्वास कम और भय अधिक होता है। जब कोई कहता है—भगवान सब देख रहा है, तो उसके शब्दों से अधिक उसका डर बोलता है। हमने परमात्मा को प्रेम का स्रोत नहीं, अपराध पकड़ने वाला प्रहरी बना दिया है। जबकि प्रेम पहरा नहीं देता और करुणा भय नहीं जगाती। भय अभिनय सिखाता है, चरित्र नहीं; इसलिए बाहर धर्म दिखता है और भीतर छल पलता है। सच तो यह है कि परमात्मा कोई दंडाधिकारी नहीं, बल्कि हृदय का मौन साक्षी है, जहाँ दंड नहीं, केवल करुणा है। हम उसकी पुकार सुनने के बजाय भय जगाने वाले धार्मिक वाक्यों में उलझे रहते हैं। जीवन की सबसे बड़ी बेईमानियाँ अक्सर इतनी साधारण होती हैं कि हम उन्हें अपराध ही नहीं मानते। हर सुबह हम अपना वर्तमान भविष्य की चिंताओं और बीते कल की परछाइयों में गिरवी रख देते हैं। किसी का मन दुखाकर उसे मज़ाक कह देते हैं, वचन भूल जाते हैं, परिवर्तन टालते हैं, भय से अपनी प्रतिभा दबा देते हैं और संबंधों में अधूरे रह जाते हैं। दिन तो बीत जाता है, पर रात की निस्तब्धता में भीतर की चेतना एक ही प्रश्न करती है—तुमने दूसरों के साथ नहीं, अपने ही जीवन के साथ क्या किया? यही वह प्रश्न है, जिसके सामने हर तर्क, बहाना और मुखौटा ढह जाता है।

भारत की पहली हाइड्रोजन ट्रेन से नई हरित क्रांति की शुरुआत

कांतिलाल मांडोत

भारत ने रेल परिवहन के इतिहास में एक नया अध्याय जोड़ते हुए अपनी पहली हाइड्रोजन ट्रेन का संचालन शुरू कर दिया है। हरियाणा के जींद से सोनीपत के बीच प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही भारत हाइड्रोजन ईंधन से चलने वाली ट्रेन शुरू करने वाला दुनिया का पांचवां देश बन गया है। इससे पहले जर्मनी, फ्रांस, स्वीडन और चीन इस तकनीक का उपयोग कर चुके हैं। प्रधानमंत्री ने इसे दुनिया की सबसे ताकतवर हाइड्रोजन ट्रेन बताते हुए कहा कि इसे भारत के इंजीनियरों ने डिजाइन किया है और भारतीय कंपनी ने ही विकसित किया है। यह उपलब्धि केवल रेलवे की सफलता नहीं बल्कि आत्मनिर्भर भारत, हरित ऊर्जा और आधुनिक तकनीक की दिशा में देश की बड़ी छलांग है।

जींद से सोनीपत के बीच चलने वाली यह ट्रेन 89 किलोमीटर लंबे मार्ग पर 14 स्टेशनों के बीच संचालित होगी। दस कोच वाली इस ट्रेन में आठ यात्री कोच और दो पावर कार हैं। इसमें 682 यात्रियों के बैठने की व्यवस्था है जबकि कुल लगभग 2600 यात्री यात्रा कर सकते हैं। ट्रेन की अधिकतम परिचालन गति 75 किलोमीटर प्रति घंटा है जबकि इसका डिजाइन 110 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार के अनुसार तैयार किया गया है। यह पूरी दूरी लगभग दो घंटे में तय करेगी और यात्रियों के लिए किराया मात्र 5 से 25 रुपये रखा गया है ताकि आम लोग भी इस आधुनिक तकनीक का लाभ उठा सकें।

इस ट्रेन की सबसे बड़ी विशेषता इसका हाइड्रोजन फ्यूल सेल आधारित इंजन है। ट्रेन में लगभग 440 किलोग्राम हाइड्रोजन संग्रहित की जा सकती है और एक बार ईंधन भरने के बाद यह करीब 356 किलोमीटर तक चल सकती है। अनुमान है कि प्रतिदिन दो फेरे लगाने में लगभग 300 किलोग्राम हाइड्रोजन की खपत होगी। रेलवे के अनुसार

ट्रेन का संचालन पूरी तरह पर्यावरण अनुकूल है क्योंकि इंजन से धुएं की जगह केवल जलवाष्प यानी भाप और थोड़ा पानी निकलता है। इस कारण इसे शून्य उत्सर्जन वाली तकनीक माना जा रहा है।

हाइड्रोजन ट्रेन की शुरुआत के साथ हरियाणा देश में ग्रीन हाइड्रोजन तकनीक का महत्वपूर्ण केंद्र बन गया है। जींद रेलवे स्टेशन के पास देश का पहला हाइड्रोजन उत्पादन, स्टोरेज और रीफ्यूलिंग प्लांट तैयार किया गया है। यहां इलेक्ट्रोलिसिस तकनीक के माध्यम से पानी से प्रतिदिन लगभग 430 किलोग्राम ग्रीन हाइड्रोजन बनाई जाएगी। स्टेशन परिसर में लगभग 3000 किलोग्राम हाइड्रोजन सुरक्षित रखने की क्षमता विकसित की गई है। इस परियोजना पर लगभग 112 करोड़ रुपये खर्च किए गए हैं। ट्रेन का डिजाइन और एकीकरण चेन्नई स्थित इंटीग्रल कोच फैक्ट्री में किया गया जबकि हाइड्रोजन प्रोपल्शन सिस्टम विकसित करने में मेधा सर्वो ड्राइव्स तथा ग्रीनएच इलेक्ट्रोलिसिस जैसी भारतीय कंपनियों की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस अवसर पर कहा कि फिलहाल यह ट्रेन लगभग 90 किलोमीटर के मार्ग पर चलेगी लेकिन भविष्य में इसका विस्तार किया जाएगा। उन्होंने कहा कि सरकार लागत कम करने और तकनीक को अधिक सक्षम बनाने के लिए लगातार अनुसंधान करेगी। उनके अनुसार यह दुनिया की सबसे शक्तिशाली हाइड्रोजन ट्रेनों में से एक है जिसकी क्षमता लगभग 3200 हॉर्सपावर है और यह परिचालन दूरी के लिहाज से भी दुनिया की सबसे लंबी हाइड्रोजन ट्रेन सेवाओं में शामिल है। प्रधानमंत्री ने विश्वास जताया कि इस परियोजना से जींद और आसपास के क्षेत्रों में उद्योग, निवेश और रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। प्रधानमंत्री ने अपने संबोधन में ऊर्जा सुरक्षा का भी उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि यदि होर्मुज जलडमरूमध्य जैसे महत्वपूर्ण समुद्री मार्ग में युद्ध जैसी स्थिति बनती है तो भारत पर उसका प्रभाव पड़ता है क्योंकि पेट्रोल, डीजल और उर्वरकों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2014 से पहले रेलवे का बड़ा हिस्सा डीजल इंजनों पर निर्भर था, लेकिन पिछले बारह वर्षों में लगभग 99 प्रतिशत रेल नेटवर्क का विद्युतीकरण कर दिया गया है। इससे डीजल पर निर्भरता काफी कम हुई है और अब हाइड्रोजन जैसी नई तकनीक ऊर्जा सुरक्षा को और मजबूत बनाएगी। कार्यक्रम के दौरान प्रधानमंत्री ने हरियाणा को 14 हजार करोड़ रुपये से अधिक की विभिन्न विकास परियोजनाओं की सौगात भी दी। इनमें कुरुक्षेत्र एलिवेटेड रेलवे ट्रैक, भिवानी का पंडित नेकी राम शर्मा राजकीय मेडिकल कॉलेज, नारनौल का महर्षि च्यवन मेडिकल कॉलेज एवं राव तुलाराम अस्पताल, दिल्ली अमृतसर कटरा राष्ट्रीय राजमार्ग का हरियाणा खंड, अंबाला काला अंब राष्ट्रीय राजमार्ग, जींद गोहाना राष्ट्रीय राजमार्ग, कुरुक्षेत्र में सिख संग्रहालय का शिलान्यास तथा हांसी बरवाला राष्ट्रीय राजमार्ग जैसी परियोजनाएं शामिल हैं। उन्होंने जींद में चलाए गए स्वच्छता अभियान की भी सराहना की और लोगों से इसे जन आंदोलन बनाए रखने का आह्वान किया।

भारत में खो गई है जवाबदेही?

श्रुति व्यास

शनिवार को सोनम वांगचुक के साथ जो हुआ, उसे देखते हुए पहली बार लगा कि भारत में केवल राजनीति नहीं बदली है, जवाबदेही भी बदल गई है।

1975 में इलाहाबाद हाईकोर्ट के न्यायमूर्ति जगमोहनलाल सिन्हा ने इंदिरा गांधी को चुनावी अनियमितताओं का दोषी ठहराते हुए उनका चुनाव खारिज किया था। फैसला सीधे प्रधानमंत्री के खिलाफ था। इंदिरा गांधी ने उसे स्वीकार करने के बजाय आपातकाल लगाया। वह लोकतंत्र का सबसे अंधकारमय अध्याय था, लेकिन उसमें एक राजनीतिक सच्चाई भी थी। आरोप प्रधानमंत्री पर था और पूरा देश जानता था कि जिम्मेदारी भी प्रधानमंत्री की है। सत्ता बचाने का उनका तरीका लोकतांत्रिक नहीं था, लेकिन जवाबदेही का अंतिम पता किसी को खोजने की जरूरत नहीं थी। भारत का हर नागरिक जानता-समझता था।

चौदह वर्ष बाद यही कसौटी राजीव गांधी के सामने आई। वे मिस्टर क्लीन की छवि लेकर सत्ता में आए, लेकिन बोफोर्स विवाद उनकी पूरी राजनीतिक पहचान पर छा गया। हालांकि अदालत कभी यह साबित नहीं कर सकी कि उन्होंने व्यक्तिगत रूप से रिश्वत ली थी। फिर भी जनता ने राजनीतिक फैसला दे दिया। प्रधानमंत्री के इतने निकट हुआ सौदा प्रधानमंत्री की राजनीतिक जिम्मेदारी भी बना। और1989 में उसकी कीमत उन्हें सत्ता गंवाकर चुकानी पड़ी।

फिर मनमोहन सिंह आए। उनकी व्यक्तिगत ईमानदारी पर शायद ही किसी ने सवाल उठाया हो। लेकिन लोकतंत्र व्यक्ति की नहीं, पद की जवाबदेही भी तय करता है। 2जी स्पेक्ट्रम और कोयला आवंटन विवाद उनके कार्यकाल में सामने आए। लंबे समय तक कोयला मंत्रालय स्वयं उनके पास था। इसलिए मुझे जानकारी नहीं थी जैसी सफाई राजनीतिक रूप से टिक नहीं सकी। किसी ने यह नहीं कहा कि उन्होंने अपनी जेब भरी, लेकिन इतना पर्याप्त था कि विवाद प्रधानमंत्री कार्यालय की चौखट तक पहुँच चुका था। 2014 में उसकी राजनीतिक कीमत कांग्रेस ने चुकाई।

इंदिरा गांधी, राजीव गांधी और मनमोहन सिंह—तीनों एक-दूसरे से बिल्कुल अलग थे। फिर भी उनमें एक समानता थी। उनके आसपास पैदा हुआ बड़ा विवाद अंतत: प्रधानमंत्री तक पहुँचता था। कभी प्रतिष्ठा जाती थी, कभी सरकार, कभी दोनों। उस समय जवाबदेही को सत्ता के शिखर (प्रधानमंत्री पद) तक पहुँचने में ज्यादा समय नहीं लगता था।

यही भारतीय लोकतंत्र का विकास था। उपलब्धि थी। एक महत्वपूर्ण राजनीतिक आदत थी। लोकतंत्र में सरकार का चेहरा ही उसकी अंतिम जवाबदेही भी होता था।

यहीं मुझे लगता है कि पिछले दशक में सबसे बड़ा बदलाव आया है।

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व का दशक विवादों से खाली नहीं रहा। किसानों का लंबा आंदोलन हुआ। देश की शीर्ष महिला पहलवानों ने सत्तारूढ़ दल के प्रभावशाली सांसद के खिलाफ संघर्ष किया। प्रतियोगी परीक्षाओं के प्रश्नपत्र बार-बार लीक हुए। भर्ती प्रक्रियाएँ संदेह के घेरे में आईं। लद्दाख में असंतोष बना। कई मौकों पर नागरिकों ने सरकार से जवाब माँगा।

लेकिन इन सबमें एक बात समान रही। विवाद जंतर-मंतर, दिल्ली के प्रवेश दरवाजों तक और सरकार तक भी पहुँचे, मगर प्रधानमंत्री तक नहीं।

यही इस दौर की सबसे असाधारण राजनीतिक विशेषता है।

यह इसलिए भी महत्वपूर्ण है क्योंकि विरोध करने वाले वही वर्ग थे जिन्हें नरेंद्र मोदी ने अपनी राजनीति के केंद्र में रखा था। अच्छे दिनों के वायदे में किसान राष्ट्र की रीढ़ बताए गए थे। युवाओं को भारत की सबसे बड़ी शक्ति कहा गया। डेमोग्राफिक डिविडेंड केवल आर्थिक अवधारणा नहीं, बल्कि पूरे शासनकाल की राजनीतिक कथा थी।

2018 में तुमकुरु के एक युवा सम्मेलन में नरेंद्र मोदी ने कहा था कि यदि समाज के लिए विद्यार्थी देवो भव मंत्र है, तो उनके लिए युवा शक्ति देवो भव मंत्र है।

फिर प्रश्नपत्र लीक का दौर आया। करोड़ों युवाओं ने केवल परीक्षाएँ नहीं खोईं; उन्होंने व्यवस्था पर अपना भरोसा भी खोया। स्वाभाविक अपेक्षा थी कि जिसने युवाओं को अपनी सबसे बड़ी शक्ति बताया, वही उनके सबसे कठिन समय में सबसे पहले दिखाई देगा।

लेकिन ऐसा नहीं हुआ।

पहले सन्नाटा रहा। फिर प्रतीक्षा। फिर वही मंत्री अपने पद पर बने रहे जिनके विभाग पर सवाल उठ रहे थे। धीरे-धीरे शिकायत से अधिक चर्चा शिकायत करने वालों पर होने लगी। भारतीय राजनीति में यह नई रणनीति नहीं है। जब किसी प्रश्न का उत्तर कठिन हो, तो बहस को प्रश्न से हटाकर विरोध पर ले जाइए। धीरे-धीरे मूल प्रश्न ही धुँधला पड़ जाता है।

यही बात दूसरे विवादों में भी दिखाई देती है। ब्रजभूषण शरण सिंह के खिलाफ देश की सात शीर्ष महिला पहलवानों ने आरोप लगाए। लखीमपुर खीरी में चार किसानों की मौत के बाद भी केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी लंबे समय तक पद पर बने रहे। राष्ट्रीय परीक्षा विवाद में शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान पर सवाल उठे। हर बार राजनीतिक बहस किसी मंत्री, किसी सांसद या किसी संस्था तक पहुँची, लेकिन शायद ही कभी प्रधानमंत्री तक पहुँची।

पहले ऐसा नहीं होता था।

इनमें से हर विवाद प्रधानमंत्री कार्यालय के इतना निकट था कि भारतीय राजनीति के पहले के दौर में वह एक-दो सीढ़ियाँ और ऊपर चढ़ता। अब वह जैसे अंतिम सीढ़ी पर पहुँचने से पहले ही रुक जाता है।

ऐसा क्यों?

इसका एक उत्तर राजनीतिक प्रबंधन में है। हर सरकार विवादों को नियंत्रित करने की कोशिश करती है। जाँच बैठती है, समय लिया जाता है, बहस का केंद्र बदला जाता है। मोदी सरकार ने यह कला असाधारण दक्षता से सीखी है। लेकिन केवल राजनीतिक प्रबंधन पर्याप्त उत्तर नहीं है।

उसके लिए नरेंद्र मोदी की सार्वजनिक छवि को भी समझना होगा। उनके पीछे कोई राजनीतिक वंश नहीं है। रिश्तेदारों के लाभ उठाने की सार्वजनिक कहानियाँ नहीं हैं। निजी संपत्ति बढ़ाने की व्यापक धारणा भी नहीं है। उन्होंने स्वयं को बार-बार फकीर कहा है। बड़ी संख्या में लोग इस छवि पर विश्वास करते हैं। और लोकतंत्र में विश्वास केवल नेता की छवि नहीं बदलता, जवाबदेही का रास्ता भी बदल देता है।

फिर भी यहीं सबसे बड़ा विरोधाभास खड़ा होता है।

यदि प्रधानमंत्री वास्तव में अपने आसपास के विवादों से पूरी तरह अछूते हैं, तो फिर वही विवाद बार-बार बने क्यों रहते हैं? जो नेता व्यक्तिगत रूप से सबसे सुरक्षित हो, उसके लिए विवादित सहयोगियों से दूरी बनाना, उन्हे हटाना सबसे आसान होना चाहिए। वास्तविक अधिकार वही है जो अपने लोगों पर भी लागू हो सके।

लेकिन बार-बार उलटा दिखाई देता है। विवाद समाप्त करने के बजाय उन्हें साथ लेकर चलने का निर्णय लिया जाता है।

संभव है इसका उत्तर नरेंद्र मोदी की व्यक्तिगत निष्कलंकता से कम और उनकी तथा अमित शाह की राजनीतिक गणित से अधिक जुड़ा हो। हर नेता निष्ठाओं के नेटवर्क के सहारे शासन करता है। किसी प्रभावशाली सहयोगी को हटाना केवल नैतिक निर्णय नहीं, राजनीतिक जोखिम भी है। शक्ति-संतुलन बदलता है, संगठन को संदेश जाता है और समीकरण प्रभावित होते हैं। इसलिए विवाद को सह लेना, कई बार उसे समाप्त करने से सस्ता पड़ता है।

या फिर बात इससे भी आगे की है।

संभव है नेतृत्व को अब यह भरोसा हो गया हो कि विवाद, आंदोलन, असंतोष, गुस्सा शीर्ष नेतृत्व तक राजनीतिक नुकसान पहुँचाने की क्षमता खो चुके हैं। नरेंद्र मोदी और उनके समर्थकों के बीच बना भावनात्मक संबंध इतना मजबूत हो चुका है कि बड़ी संख्या में मतदाता प्रधानमंत्री और उनके नाम पर शासन करने वालों के बीच स्पष्ट अंतर कर लेते हैं। सरकार से शिकायत हो सकती है, किसी मंत्री से नाराज़गी भी हो सकती है, लेकिन उसकी राजनीतिक जिम्मेदारी स्वत: प्रधानमंत्री तक नहीं पहुँचती।

यहीं से वह प्रश्न जन्म लेता है जो शायद नरेंद्र मोदी से भी बड़ा है।

लोकतंत्र का तब क्या होता है, जब जवाबदेही अपनी पूरी यात्रा करना बंद कर दे?

स्वतंत्र भारत के अधिकांश इतिहास में राजनीतिक जिम्मेदारी अंतत: सत्ता के सर्वोच्च पद तक पहुँच जाती थी। कभी वह प्रक्रिया अपूर्ण थी, कभी कठोर, कभी अन्यायपूर्ण भी। लेकिन यात्रा पूरी होती थी। आज असहमति अब भी है। आंदोलन भी हैं। सवाल भी हैं। बदला है तो केवल उनका रास्ता। शनिवार को सोनम वांगचुक के साथ जो हुआ, उसने मुझे इसी बदलाव का एहसास कराया। प्रश्न उठा, लेकिन वह भी अंतत: उसी जगह जाकर ठहर गया जहाँ पिछले कई वर्षों से दूसरे प्रश्न ठहरते आए हैं। शायद यही हमारे समय का सबसे बड़ा राजनीतिक परिवर्तन है। भारत में विवाद खत्म नहीं हुए हैं। विरोध भी खत्म नहीं हुआ है। लेकिन जवाबदेही जैसे अपनी आख़िरी सीढ़ी तक पहुँचना भूल गई है। यह केवल एक लोकप्रिय प्रधानमंत्री की कहानी नहीं है। यह उस लोकतांत्रिक मनोविज्ञान की कहानी है जिसमें सत्ता का सर्वोच्च पद पहले की तरह सबसे बड़ा उत्तरदायित्व नहीं रह गया है।

कभी भारतीय लोकतंत्र में जवाबदेही का रास्ता सीधा प्रधानमंत्री के दरवाज़े तक जाता था। आज वह रास्ता जैसे कहीं बीच में मुड़ जाता है। शायद यही कारण है कि मोदी वर्षों की कहानी केवल नरेंद्र मोदी की कहानी नहीं रह जाती; वह भारतीय लोकतंत्र की बदलती प्रकृति की कहानी बन जाती है।

मेष राशि-आज का दिन शानदार रहने वाला है। काफी समय से रुके हुए काम आज थोड़े ही प्रयास में में पूरे हो जाएंगे। जो लोग टूर एंड ट्रेवल का बिजनेस कर रहे हैं, उन्हें आज उम्मीद से अधिक फायदा होगा। आप नया वाहन खरीदने के लिये जीवनसाथी से सलाह ले सकते हैं।

वृष राशि-आज का आपके लिए दिन खास रहने वाला है। जो शिक्षक हैं, वो आज छात्रों को कुछ नया सिखायेंगे। आज घर में किसी दूर के रिश्तेदार के आने की संभावना बन रही है। आज शाम का समय परिवार के साथ बीतेगा और नई टेक्नोलाजी से अपडेट होने का प्रयास करेंगे।

मिथुन राशि-आज का दिन आपके लिये ठीक-ठाक रहेगा। आपको खुद पर ध्यान देने की जरूरत है, आज अपने गुस्से पर काबू रखें, वरना आपके काम बिगड़ सकते हैं। साझेदारी में व्यवसाय कर रहे लोगों को उनके सहयोगी और कर्मचारियों के पूर्ण सहयोग से आज व्यावसायिक गतिविधियों को और अधिक बेहतर बनाने में मदद मिलेगी।

कर्क राशि-आज का दिन आपके लिए मिली जुली प्रतिक्रिया देने वाला वाला रहेगा। कर्क लग्न और राशि वालों आपका पूरा दिन भाग-दौड़ में बीतेगा। आज के दिन आयात-निर्यात संबंधी व्यवसाय में अच्छा लाभ होने की स्थिति बन रही है।

सिंह राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतरीन रहने वाला है। आज अपना कॉन्फिडेंस कम न होने दें, मन लगाकर काम करें। प्रॉपर्टी से संबंधित रुका हुआ मामला आपसी सहमति से आज हल हो सकता है। आज जो लोग कहीं बाहर घूमने जा रहे हैं, उनका प्लान किसी कारणवश अंतिम समय में कैंसिल हो सकता है। है

कन्या राशि-आज का दिन बहुत ही बढ़िया रहने वाला है। आज अपनी दैनिक गतिविधियों में कुछ नयापन लाने का प्रयास करेंगे। पुरानी समस्याओं से आज राहत मिलेगी। इस समय अतिरिक्त आय प्राप्ति के भी योग बन रहे हैं जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी।

तुला राशि-आज का दिन सामान्य रहने वाला है। काम को लेकर किसी तरह का डर मन में न रखें। कार्यस्थल पर अपने काम के प्रति सतर्क रहें कुछ लोग आज आपके विरुद्ध प्लानिंग कर सकते हैं, आपको ऐसे लोगों से थोड़ा संभलकर रहना होगा। रुके हुए पैसों की वापसी आज संभव है। बातचीत करके आप अपना काम निकालने में सक्षम रहेंगे।

वृश्चिक राशि-आज आपका का दिन उत्साह से भरा रहेगा। परिवार के किसी खास व्यक्ति के बारे में आपको कुछ रोचक बात पता चल सकती है और आज कुछ विशेष बातें सीखने को मिलेगी, जिससे आपका मनोबल बढ़ेगा। आज आप ज्यादातर काम आसानी से निपटाने में सफल रहेंगे। अपनी प्रेजेंटेशन और प्लान किसी के सामने रखने से पहले एक बार रिचेक जरूर कर लें।

धनु राशि-आज का दिन आपके जीवन में नई खुशियां लेकर आया है। आज आपकी सोच और प्लानिंग स्पष्ट रहेगी। आज आपकी कल्पना शक्ति का विस्तार होगा। आपकी कार्यकुशलता से उम्मीद के अनुरूप लाभ होगा। परिवार के साथ धार्मिक यात्रा का प्रोग्राम बनेगा।

मकर राशि-आज का दिन आपके लिए बेहतर रहेगा। आज आपकी कार्यप्रणाली में नयापन देखने को मिलेगा। इस राशि के जो लोग लेखन के क्षेत्र में आगे जाना चाहते हैं उनके लिए आज अपनी प्रतिभा को निखारने का दिन है।

कुंभ राशि-आज किस्मत आपका पूरा साथ देगी। आज आपकी इनकम बढ़ने के योग बन रहे हैं। आज आपको किसी नये बिजनेस में साझेदारी का प्रस्ताव मिल सकता है, इसका आपको आने वाले दिनों में काफी फायदा होगा।

मीन राशि- आज का दिन आपके लिए लाभदायक रहेगा। आज बिजनेस में नये एग्रीमेंट होने की संभावना है। आज कार्यक्षेत्र में आप जो काम करेंगे, उसमें आपको सफलता मिलेगी। अपनी व्यवसायिक कार्यप्रणाली को आज दूसरों के समक्ष उजागर न करें। कई दिनों से घर में चल रही समस्या आज सुलझ जाएगी।

हिंदू राष्ट्र क्यों वांगचुक जैसे 'कॉकरोच' की सुने?

हरिशंकर व्यास

बेचारे सोनम वांगचुक! सांस मोदी के हिंदू राष्ट्र में ले रहे हैं बावजूद इसके माने बैठे हैं कि 'जनमत को जागरूक करना और सत्ता में बैठे लोगों को समझाना, एक ही सिक्के के दो पहलू हैं'। बारह वर्षों के अनुभवों में वांगचुक इतना भी नहीं समझ पाए कि मौजूदा हिंदू राष्ट्र के सिक्के के दो पहलू नहीं हैं। उसे इधर पलटिए या उधर, दोनों तरफ एक ही चेहरा है- नरेंद्र मोदी का। वही भक्तों के कलियुगी भगवान है। तभी हिंदू मानस में भगवान से जवाब-तलब नहीं होता, केवल पूजा, दर्शन और भक्ति होती है। तो कौन सा जनमत, कैसी जागरूकता और कैसी जवाबदेही?

इस सत्य का सबूत हजार साला गुलामी भी है। राम मंदिर टूटा, आक्रमण हुए, अपमान और पराधीनता का लंबा दौर बीता, लेकिन बहुसंख्यक हिंदू समाज ने कभी अपने आराध्य से यह प्रश्न नहीं किया कि 'आपके रहते यह सब क्यों हुआ'? न ही उसके भीतर. दिमाग में यह आत्ममंथन बना कि हम हर संकट का समाधान स्वयं बनने के बजाय किसी भगवान, किसी अवतार, किसी उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा में क्यों बैठे रहते हैं?

इक्कीसवीं सदी के कथित हिंदू राष्ट्र का भी यही सत्य है। हिंदू अब नागरिक नहीं भीड़ और भक्त में कनवर्ट है। इसलिए क्योंकि नागरिक सवाल पूछता है, जवाबदेही मांगता है। वह सत्ता को अपने प्रति उत्तरदायी मानता है। जबकि भक्त प्रश्न नहीं करता; वह आस्था में जीता है और मोदी के हर निर्णय को भगवान की लीला माने रहता है।

इसलिए सोचें, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सौ सालों के चाल, चेहरे, चरित्र ने हिंदुओं को कैसा 'अवतार' दिया? सदियों से किसी उद्धारकर्ता की प्रतीक्षा करते समाज के सामने अंतत: नरेंद्र मोदी ऐसे स्थापित हुए कि वे या तो भगवान हैं, या मोदी ही भारत और भारत ही मोदी है। मोदी के हिंदू राष्ट्र में उन्ही की, अकेली की एक केंद्रित सत्ता है, जिसके सामने राष्ट्रपति, मंत्रिमंडल, संसद और

भाजपा जैसी राजनीतिक पार्टी सभी गौण है। मोहन भागवत हों या अमित शाह, राजनाथ सिंह हों या नितिन गडकरी; चुनाव आयोग हो, न्यायपालिका हो, मीडिया हो या नौकरशाही- सत्ता का पूरा तंत्र मोदी के रचित तीर्थ (दिल्ली में बने नए प्रधानमंत्री महल, नई दफ्तरी इमारतों, कथित तीर्थ) की परिक्रमा करता होता है। कृपा, वैधता, प्रतिष्ठा और राजनीतिक भविष्य सभी का मालिक एक अकेले नरेंद्र मोदी। वैसे कलियुगी हिंदू इसी लायक है भी। आखिर हम मानते भी है कि जैसी प्रजा वैसा राजा। तब भला आज की दैवीय व्यवस्था में लोकतंत्र, जनमत, जागरूकता और जवाबदेही जैसे शब्दों का मूल्य कौड़ी भर भी होगा? कतई नहीं। नागरिक की जगह अब भक्त है और संस्थाओं की जगह व्यक्ति पूजा है तो सत्ता से प्रश्न पूछना या जवाबेदही की उम्मीद करना बेवकूफी वाली बातें हैं। ध्यान है पर्यावरणविद् और पूर्व आईआईटी प्रोफेसर जीडी अग्रवाल का नाम। बेचारे ने संन्यास लेकर स्वामी ज्ञानस्वरूप सानंद का नाम धारा और गंगा को अविरल-निर्मल रखने की मांग को लेकर आमरण अनशन पर बैठे। 111 दिनों तक जीवन दांव पर लगाने के बाद 11 अक्टूबर 2018 को ऋषिकेश के एम्स में दम तोड़ा। याद करें उनके निधन पर मोदी और उनकी सत्ता, संघ, भाजपा, साधु-संत, गंगा भक्तों. जनमत में किसी के भी आंसू नहीं निकले!

इसलिए दिल्ली के जंतर-मंतर पर 20-21 दिनों से अनशन कर रहे सोनम वांगचुक का हिंदू राष्ट्र में जीरो अर्थ है। वे हिंदू अभिभावकों के बच्चों, देश की नई पीढ़ी के भविष्य के ठगी करने वाली नीट परीक्षा जैसी व्यवस्थाओं के खिलाफ कितना ही आंदोलन कर ले उनके लिए हिंदुओं की भीड़ नहीं जुटनी है। जो जुटी है या जुट रही है वह पहले से ही कॉकरोच का तमगा पाए हुए है। उन्हें चप्पल मार कर दबाया जाता है। कर्नाटक के एक अभिनेता प्रकाश राज ने जंतर मंतर जा कर बोला कि यह लड़ाई युवा छात्रों और देश के भविष्य की है व्यवस्था में पारदर्शिता और जवाबदेही लाने के लिए है। पर युवा छात्रों की भीड़ भी जब जंतर-मंतर नहीं पहुंची तो किसके लिए कौन सी लड़ाई?

जाहिर है भगवान और भक्तों के नए भारत में लड़ाई संभव नहीं है। पिछले बारह वर्षों में बार-बार उभरे पैटर्न पर गौर करें। क्या हुआ है? न देखो, न सुनो, न जवाब दो और बस दर्शन, प्रवचन और चौबीसों घंटे झूठ बोलो। चुनाव जीतने की लीला को झूठ-फरेब से पकाते जाओ। लोकतंत्र, मर्यादा, असहमति की तमाम बाते भाड़ में। गंगा बचाने का अनशन हो या छात्रों, किसानों के साथ खिलवाड़ में आंदोलन हो पहले तो अनदेखी करो। बात ज्यादा बढ़े तो उसे बदनाम करो। फिर उसे किसी राजनीतिक साजिश, विदेशी एजेंडा, खालिस्तानी, अर्बन नक्सल, टुकड़े-टुकड़े गैंग या विपक्ष, कॉकरोचों के खाते में डाल दो। ऐसा किसान आंदोलन के समय हुआ तो अब परीक्षाओं में धांधली के वाकिये में भी है। किसान, पहलवान, मणिपुर की पीड़ित महिलाएं, प्रतियोगी परीक्षाओं के अभ्यर्थी छात्र और वांगचुक के मौजूदा मसले सब हिंदू राष्ट्र में वैसे ही हैंडल होते हुए है जैसे हिंदुओं की गुलामी के हजार सालों में हुआ। तब अंग्रेज हाकिमों का राजकाज तथा व्यवहार गुलाम प्रजा की रियलिटी में बना हुआ था। इक्कीसवीं सदी के हिंदू राष्ट्र में राजकाज भगवा और भक्त के उन रिश्तों में है, जिसमें सत्ता से प्रश्न राष्ट्रद्रोह है, हिंदूद्रोह है। इसलिए वांगचुक को या तो अनशन खत्म करना होगा या मरना होग। वैसे ही जैसे एक गंगा भक्त जीडी अग्रवाल ने 2018 में दम तोड़ा था।

नामची सुरंग हादसा : प्रधानमंत्री मोदी ने जताया शोक, मृतकों के परिजनों को 2 लाख और घायलों को 50 हजार रुपये की सहायता

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने सिक्किम के नामची में निर्माणाधीन सुरंग के ढहने से हुई जानमाल की हानि पर गहरा दुख व्यक्त किया है। उन्होंने हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना प्रकट की तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।

प्रधानमंत्री ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष (पीएमएनआरएफ) से मृतकों और घायलों के लिए अनुग्रह राशि की भी घोषणा की है। इसके तहत हादसे में जान गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को 2 लाख रुपये तथा प्रत्येक घायल को 50,000 रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी।

प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर जारी अपने संदेश में कहा कि सिक्किम के नामची में निर्माणाधीन सुरंग के ढहने से हुई जानमाल की हानि से वह अत्यंत व्यथित हैं। उन्होंने शोक संतप्त परिवारों के प्रति अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि उनकी प्रार्थनाएं इस कठिन समय में प्रभावित परिवारों के साथ हैं। साथ ही उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की।प्रधानमंत्री ने अपने संदेश में कहा कि प्रत्येक मृतक के परिजनों को पीएमएनआरएफ से 2 लाख रुपये तथा घायलों को 50,000 रुपये की अनुग्रह राशि दी जाएगी।यह घोषणा ऐसे समय में की गई है जब नामची में सुरंग ढहने की घटना के बाद राहत एवं बचाव कार्य जारी हैं और प्रभावित लोगों को हरसंभव सहायता उपलब्ध कराने के प्रयास किए जा रहे हैं।

जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज का शुभारंभ, जमीनी स्तर के डिजिटल क्रिएटर को मिलेगा राष्ट्रीय मंच

नई दिल्ली,,(आरएनएस)। सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने भारत के रचनात्मक क्षेत्र (क्रिएटिव सेक्टर) को सशक्त बनाने और तेजी से विकसित हो रही ऑरेंज इकोनॉमी को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल करते हुए जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज के पायलट चरण का शुभारंभ किया है। इस राष्ट्रीय पहल का उद्देश्य देशभर के जमीनी स्तर के डिजिटल क्रिएटर की पहचान करना, उन्हें प्रोत्साहित करना और उनकी प्रतिभा को राष्ट्रीय मंच प्रदान करना है।यह पहल सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव द्वारा शुरू किए गए वेव्स ओटीटी (WAVES OTT) के अंतर्गत संचालित MyWAVES सिटिजन क्रिएटर प्लेटफॉर्म के माध्यम से लागू की जाएगी। इसके जरिए नागरिक अपने क्षेत्र की मौलिक कहानियों, संस्कृति, विरासत और पर्यटन से जुड़ी डिजिटल सामग्री तैयार कर अपलोड कर सकेंगे।हर जिले की कहानी दुनिया तक पहुंचाने का प्रयासमंत्रालय के अनुसार, जेम्स ऑफ इंडिया चैलेंज का उद्देश्य देश के प्रत्येक जिले की विशिष्ट पहचान, सांस्कृतिक विरासत, ऐतिहासिक महत्व, परंपराओं, पर्यटन स्थलों और स्थानीय उपलब्धियों को डिजिटल स्टोरीटेलिंग के माध्यम से दुनिया के सामने लाना है।सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के सचिव चंचल कुमार ने कहा कि भारत के हर जिले में अनगिनत प्रेरक कहानियां हैं, जिन्हें व्यापक मंच मिलने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि यह कार्यक्रम न केवल युवाओं की रचनात्मकता को बढ़ावा देगा, बल्कि देश की सांस्कृतिक विविधता का भी उत्सव बनेगा।

कॉकरोच जनता पार्टी ने विजेता दहिया को प्रवक्ता पद से हटाया, वीडियो वायरल होने के बाद एक्शन

नई दिल्ली(आरएनएस)। राष्ट्रीय राजधानी के जंतर-मंतर पर प्रदर्शन कर रही कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) ने अपने प्रवक्ता विजेता दहिया को पद से हटा दिया है। यह फैसला ऐसे वीडियो के सामने आने के बाद लिया गया, जिन्हें पार्टी ने असंवेदनशील आचरण बताया है। पार्टी की ओर से जारी बयान में कहा गया कि शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारियों और पार्टी कार्यकर्ताओं पर पुलिस द्वारा कथित बल प्रयोग के दौरान विजेता दहिया के कुछ वीडियो सामने आए, जिनमें उनका व्यवहार पार्टी के मूल्यों और सिद्धांतों के अनुरूप नहीं पाया गया।बयान में कहा गया, हम अपने प्रवक्ता विजेता दहिया की अत्यंत असंवेदनशील हरकतों की कड़ी निंदा करते हैं। ऐसे समय में, जब शांतिपूर्ण प्रदर्शनकारी और हमारी टीम पुलिस हिंसा का सामना कर रही थी, उनका व्यवहार पूरी तरह अस्वीकार्य था। यह गंभीर निर्णयहीनता को दर्शाता है और हमारे आंदोलन के मूल सिद्धांतों के विपरीत है। पार्टी ने कहा कि इस मामले को गंभीरता से लेते हुए विजेता दहिया को तत्काल प्रभाव से प्रवक्ता पद से हटाया जा रहा है। साथ ही उन्हें पार्टी की सभी आधिकारिक जिम्मेदारियों और दायित्वों से भी मुक्त कर दिया गया है।बता दें कि 20 जुलाई को जब बड़ी संख्या में छात्र प्रदर्शनकारी संसद की ओर मार्च करने की कोशिश में लगे हुए थे और इस दौरान लाठीचार्ज भी किया गया।

शादी के बाद पता चला पत्नी किन्नर है, पति का दावा- अलग होने के लिए मांग रही 6 लाख रुपये

अलीगढ़(आरएनएस)। उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ में एक व्यक्ति ने आरोप लगाया है कि शादी के बाद उसे पता चला कि उसकी पत्नी किन्नर है। पीड़ित का यह भी आरोप है कि पत्नी और उसके परिजन उससे अलग होने के बदले छह लाख रुपये की मांग कर रहे हैं। पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।मामला अलीगढ़ के सिविल लाइन थाना क्षेत्र के फिरदौस नगर का है। इंद्रेश कुमार नामक व्यक्ति ने आरोप लगाया कि शादी के कुछ समय बाद उसे पत्नी के बारे में जानकारी मिली। उसने इस संबंध में ससुराल पक्ष से बात की, लेकिन कोई समाधान नहीं निकला। इंद्रेश का यह भी आरोप है कि विरोध करने पर पत्नी आत्महत्या की धमकी देती है, जिससे वह मानसिक तनाव में है। इंद्रेश के अनुसार यह उसकी दूसरी शादी है। उसने बताया कि पहली पत्नी की कोरोना महामारी के दौरान मौत हो गई थी। उसके तीन बच्चे हैं, जिनकी परवरिश में कठिनाइयों के कारण उसने दूसरी शादी करने का फैसला किया। उसके अनुसार, वर्ष 2024 में उसके फूफा ने फरीदाबाद में उसकी दूसरी शादी कराई थी। शादी का पूरा खर्च उन्होंने उठाया और बिचौलिए को करीब डेढ़ लाख रुपये भी दिए। इंद्रेश का दावा है कि शादी के बाद उसे पत्नी के बारे में संदेह हुआ। उसने कई बार मेडिकल जांच कराने के लिए कहा, लेकिन पत्नी तैयार नहीं हुई। बाद में तबीयत खराब होने पर उसे डॉक्टर के पास ले जाया गया, जहां उसे पत्नी के किन्नर होने की जानकारी मिलने का दावा किया गया। इंद्रेश का आरोप है कि अब ससुराल पक्ष उससे छह लाख रुपये की मांग कर रहा है और कह रहा है कि रकम देने पर ही उसका पीछा छोड़ा जाएगा। इस बीच, विवाद के दौरान महिला के आक्रामक व्यवहार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने का दावा किया जा रहा है।

नियमित अभ्यास से मजबूत होती है एकाग्रता और संकल्प शक्तिः प्रधानमंत्री मोदी

नई दिल्ली, (आरएनएस)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने एकाग्रता, दृढ़ संकल्प और निरंतर अभ्यास के महत्व को रेखांकित करते हुए मंगलवार को एक प्रेरणादायी संस्कृत सुभाषितम् साझा किया। उन्होंने कहा कि नियमित अभ्यास और समर्पित प्रयास से एकाग्रता तथा इच्छाशक्ति को निरंतर विकसित और सशक्त बनाया जा सकता है। प्रधानमंत्री ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर संस्कृत सुभाषितम् साझा करते हुए लिखा—

एकाग्रताथ सङ्कल्पः स्नायुवद् वर्द्धनक्षमौ।
नित्याभ्यासप्रयोगाभ्यामधिकाधिकमृध्यतः॥

इस सुभाषितम् का भावार्थ स्पष्ट करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि एकाग्रता और संकल्प हमारे स्नायु तंत्र की भांति हैं। नियमित अभ्यास और सही प्रयासों के माध्यम से इन्हें विकसित और मजबूत बनाया जा सकता है। समय के साथ ये दोनों और अधिक दृढ़ तथा प्रभावशाली बनते जाते हैं। प्रधानमंत्री ने अपने संदेश के माध्यम से यह प्रेरणा दी कि किसी भी क्षेत्र में सफलता प्राप्त करने के लिए केवल प्रतिभा ही पर्याप्त नहीं होती, बल्कि निरंतर अभ्यास, समर्पण और अटूट इच्छाशक्ति भी उतनी ही आवश्यक होती है। उन्होंने संकेत दिया कि नियमित प्रयासों से व्यक्ति अपनी मानसिक क्षमता, एकाग्रता और संकल्प शक्ति को निरंतर बेहतर बना सकता है।प्रधानमंत्री का यह प्रेरक संदेश विद्यार्थियों, युवाओं, पेशेवरों और जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में लक्ष्य हासिल करने का प्रयास कर रहे लोगों के लिए प्रेरणास्रोत माना जा रहा है।

चंडीगढ़ में ब्रिक्स हेल्थ समिट शुरू, 21 देशों के प्रतिनिधि शामिल

चंडीगढ़, (आरएनएस)। केंद्र शासित प्रदेश चंडीगढ़ में मंगलवार से चार दिवसीय ब्रिक्स 'टीसीआईएम' बैठक का आगाज हो गया। भारत की अध्यक्षता में आयोजित इन महत्वपूर्ण हेल्थ मीटिंग्स में 21 देशों के स्वास्थ्य मंत्री, वरिष्ठ अधिकारी और शीर्ष चिकित्सा विशेषज्ञ शामिल हो रहे हैं। बैठक का मकसद पारंपरिक चिकित्सा प्रणालियों को आधुनिक स्वास्थ्य सेवाओं के साथ जोड़ने और वैश्विक सहयोग बढ़ाने पर ध्यान केंद्रित करना है।

प्रेस सूचना ब्यूरो (पीआईबी) के अनुसार, ब्रिक्स पारंपरिक, पूरक एवं एकीकृत चिकित्सा (टीसीआईएम) पर मंत्रीस्तरीय बैठक मंगलवार को चंडीगढ़ में शुरू हुई। यह बैठक चार दिवसीय ब्रिक्स स्वास्थ्य मंत्रिस्तरीय बैठक के उद्घाटन दिवस पर आयोजित की गई। इसमें 21 देशों के प्रतिनिधि भाग ले रहे हैं।हेल्थ समिट का मुख्य उद्देश्य ट्रेडिशनल (पारंपरिक) स्वास्थ्य प्रणालियों के क्षेत्र में वैश्विक सहयोग को बढ़ावा देना, सदस्य देशों के बीच अनुभवों का आदान-प्रदान करना और स्वास्थ्य सेवाओं में पारंपरिक, पूरक और एकीकृत चिकित्सा पद्धतियों की भूमिका को मजबूत करना है।इसके अलावा, इंटीग्रेटिव मेडिसिन को बढ़ावा देना भी एजेंडे में है। इसके तहत आधुनिक इलाज के साथ-साथ पारंपरिक और वैकल्पिक चिकित्सा पद्धतियों को एक साथ मिलाकर काम करने की रणनीति तैयार की जाएगी। इतना ही नहीं, ब्रिक्स देश मिलकर एक ऐसा टिकाऊ और इनोवेटिव हेल्थ सिस्टम बनाने पर विचार करेंगे, जो भविष्य में किसी भी स्वास्थ्य संकट या महामारी का मजबूती से सामना करने में सक्षम हो।

(दुर्ग-पाटन) जिले के पाटन विकासखंड के ग्राम जामगांव (एम) में आयोजित राज्य स्तरीय शाला प्रवेशोत्सव वर्ष 2026-27 छात्राओं के लिए यादगार पल बन गया। कार्यक्रम के दौरान मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने मुख्यमंत्री सरस्वती साइकिल योजना के अंतर्गत छात्राओं को साइकिलें वितरित कीं।

गोवा में 'भाषिनी राजयम' का शुभारंभ, कोंकणी सहित भारतीय भाषाओं में एआई आधारित डिजिटल शासन को मिलेगा बढ़ावा

नई दिल्ली/पणजी, (आरएनएस)। भारत सरकार के इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय के अंतर्गत डिजिटल इंडिया कॉर्पोरेशन (डीआईसी) के डिजिटल इंडिया भाषिनी प्रभाग (डीआईबीडी) ने गोवा सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार विभाग के सहयोग से पणजी में 'भाषिनी राजयमः राज्य सहभागिता कार्यशाला' का आयोजन किया। कार्यशाला का उद्देश्य बहुभाषी कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) को बढ़ावा देना तथा भाषा आधारित डिजिटल सार्वजनिक सेवाओं के ढांचे को सशक्त बनाना था। इस पहल के माध्यम से विशेष रूप से कोंकणी भाषा में एआई आधारित डिजिटल शासन और नागरिक सेवाओं को विस्तार देने पर जोर दिया गया।

कार्यक्रम में गोवा के मुख्यमंत्री डॉ. प्रमोद सावंत, सूचना प्रौद्योगिकी, इलेक्ट्रॉनिक्स एवं संचार, पर्यटन, मुद्रण एवं स्टेशनरी मंत्री रोहन ए. खौंटे, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, नीति निर्माता, उद्योग जगत के प्रतिनिधि, शिक्षाविद, स्टार्टअप संस्थापक और भाषा विशेषज्ञ शामिल हुए। कार्यशाला ने डिजिटल शासन को अधिक समावेशी, सरल और बहुभाषी बनाने के लिए सरकार तथा विभिन्न हितधारकों के बीच सहयोग की प्रतिबद्धता को रेखांकित किया।

कोंकणी भाषा को डिजिटल पहचान देने पर जोर

कार्यशाला में कोंकणी भाषा पर विशेष ध्यान केंद्रित करते हुए बताया गया कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता आधारित भाषा तकनीकें नागरिकों को उनकी मातृभाषा में सरकारी सेवाओं, डिजिटल प्लेटफॉर्म और आवश्यक सूचनाओं तक सहज पहुंच उपलब्ध करा सकती हैं। वक्ताओं ने कहा कि बहुभाषी एआई ऐसा डिजिटल इकोसिस्टम तैयार कर रहा है, जहां भाषा किसी भी सरकारी सेवा तक पहुंच में बाधा नहीं बल्कि सुविधा का माध्यम बनेगी।

रिहा न हुए तो जेल से ही 2027 का पंजाब चुनाव लड़ेंगे सांसद अमृतपाल सिंह, पार्टी पहले ही बना चुकी सीएम चेहरा

चंडीगढ (आरएनएस)। पंजाब की राजनीति में 2027 विधानसभा चुनाव को लेकर चर्चाएं तेज हो गई हैं। खडूर साहिब से सांसद अमृतपाल सिंह को लेकर उनकी पार्टी के नेताओं ने संकेत दिए हैं कि वह आगामी विधानसभा चुनाव लड़ेंगे। यह जानकारी पार्टी से जुड़े विधायक मनप्रीत सिंह अयाली ने मीडिया से बातचीत के दौरान दी।

अयाली ने कहा कि अमृतपाल सिंह को 2024 के लोकसभा चुनाव में जनता का व्यापक समर्थन मिला था और पार्टी को उम्मीद है कि विधानसभा चुनाव में भी मतदाता उनका साथ देंगे। हालांकि, उन्होंने यह स्पष्ट किया कि अमृतपाल किस विधानसभा सीट से चुनाव लड़ेंगे, इस पर अभी अंतिम फैसला नहीं हुआ है। उन्होंने दावा किया कि पार्टी पहले ही अमृतपाल सिंह को मुख्यमंत्री पद का चेहरा घोषित कर चुकी है और कार्यकर्ताओं के बीच उन्हें लेकर सकारात्मक माहौल है।

फिलहाल अमृतपाल सिंह राष्ट्रीय सुरक्षा अधिनियम (NSA) के तहत असम की डिब्रूगढ़ जेल में निरुद्ध हैं। 2024 के लोकसभा चुनाव में उन्होंने जेल में रहते हुए ही खडूर साहिब सीट से चुनाव लड़ा था और जीत दर्ज की थी। चुनाव जीतने के बाद उन्हें सुरक्षा व्यवस्था के बीच लोकसभा सदस्य के रूप में शपथ दिलाई गई थी।

पार्टी नेताओं का कहना है कि यदि आगामी विधानसभा चुनाव तक उनकी रिहाई नहीं होती है, तो उपलब्ध कानूनी प्रावधानों के अनुसार चुनाव लड़ने की संभावनाओं पर विचार किया जाएगा। वहीं, इस पूरे मुद्दे पर चुनावी प्रक्रिया और कानूनी स्थिति समय आने पर संबंधित नियमों के तहत तय होगी।

रूसी हमले में 4 भारतीयों की मौत पर भारत का सख्त रुख, विदेश मंत्रालय ने रूसी राजनयिक को किया तलब

नई दिल्ली (आरएनएस)। यूक्रेन के तट के पास एक व्यापारी जहाज पर हुए रूसी हमले में चार भारतीय नाविकों की मौत के बाद भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। इस घटना को लेकर भारत ने मंगलवार को रूस के चार्ज डी'अफेयर्स (राजनयिक प्रतिनिधि) को तलब कर अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया।'एमवी गोल्डन लियो' नामक यह जहाज रविवार को यूक्रेन के दक्षिणी बंदरगाह ओडेसा से रवाना हुआ था, तभी उस पर हमला हुआ। भारत ने सोमवार को गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले इस व्यापारी जहाज पर हुए हमले की निंदा करते हुए कहा कि संघर्ष के दौरान कमर्शियल शिपिंग को निशाना बनाना पूरी तरह अस्वीकार्य है। विदेश मंत्रालय ने रूस का नाम लिए बिना जारी बयान में कहा कि भारत ऐसे हमलों की कड़ी निंदा करता है। मंत्रालय ने कहा कि निर्दोष नागरिकों और जहाज के चालक दल की जान जोखिम में डालना तथा अंतरराष्ट्रीय समुद्री व्यापार और नौवहन की स्वतंत्रता में बाधा पहुंचाना निंदनीय है और इसे तुरंत रोका जाना चाहिए। रूस-यूक्रेन युद्ध के दौरान भारतीय नाविकों की मौत का यह पहला मामला है। इससे पहले हाल के सप्ताहों में होर्मुज जलडमरूमध्य में व्यापारिक जहाजों पर हुए हमलों में भारतीय नाविकों की मौत के मामलों पर भारत ईरान और अमेरिका के समक्ष भी कड़ा विरोध दर्ज करा चुका है।

यूक्रेनी नौसेना के अनुसार, गिनी-बिसाऊ के झंडे वाले इस जहाज पर रूस ने तीन क्रूज मिसाइलों से हमला किया। जहाज पर भारतीय और सीरियाई नागरिक चालक दल के सदस्य सवार थे। यूक्रेनी वायु सेना ने बताया कि मिसाइल हमले के बाद जहाज में भीषण आग लग गई। विदेश मंत्रालय (एमईए) के अनुसार, इस हमले में चार भारतीय नागरिकों की मौत हुई है, जबकि एक भारतीय गंभीर रूप से घायल है और अस्पताल में भर्ती है। एमवी गोल्डन लियो एक जनरल कार्गो जहाज था, जिस पर घटना के समय कुल 17 चालक दल के सदस्य सवार थे।

यूक्रेन के सीपोर्ट प्राधिकरण के अनुसार, हादसे में जहाज के नौ चालक दल के सदस्य और बंदरगाह का एक यूक्रेनी पायलट भी मारे गए। रॉयटर्स के अनुसार, एमवी गोल्डन लियो मुंबई स्थित ओशन ग्रेस शिपिंग लिमिटेड का जहाज है।हाल के दिनों में रूस ने ओडेसा क्षेत्र और यूक्रेन के समुद्री निर्यात मार्गों पर हमले तेज कर दिए हैं।

जंतर-मंतर पर झड़प से आहत खड़गे ने जन्मदिन नहीं मनाने का किया ऐलान, कहा-हमारे बच्चे न्याय के हकदार

नई दिल्ली,(आरएनएस)। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने सोमवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर हुए युवाओं के विरोध प्रदर्शन को लेकर केंद्र सरकार को घेरा है। प्रदर्शन के दौरान हुई झड़प से आहत खड़गे ने अपना जन्मदिन न मनाने की घोषणा की है। मल्लिकार्जुन खड़गे ने एक्स पर जारी बयान में कहा कि देश ने सोमवार को सरकार द्वारा शांतिपूर्ण लोकतांत्रिक विरोध-प्रदर्शन को कुचलने, लाठीचार्ज की घटना देखी। न्याय की मांग कर रहे छात्रों की आवाज का जवाब देने के बजाय उन पर बल प्रयोग किया गया। 'लोकतंत्र की जननी' अपने युवा बच्चों के साथ ऐसा व्यवहार नहीं करती। इन दुखद हालात में मैंने आज अपना जन्मदिन न मनाने का फैसला किया है।खड़गे ने कहा, मैं उन सभी कांग्रेस नेताओं, कार्यकर्ताओं, समर्थकों, शुभचिंतकों और हर उस नागरिक का बहुत आभारी हूं, जिन्होंने मुझे शुभकामनाएं भेजी हैं। आपका स्नेह मेरे लिए बहुत मायने रखता है और मैं आप सभी का तहेदिल से शुक्रिया अदा करता हूं लेकिन आज जश्न मनाने का दिन नहीं है। यह जवाबदेही तय करने और लोकतंत्र को बहाल करने का दिन है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने केंद्र सरकार से कई सवाल पूछे। उन्होंने कहा, न्याय की मांग कर रहे छात्रों पर लाठीचार्ज क्यों किया गया? संसद को लगभग सील क्यों कर दिया गया और इंटरनेट क्यों बंद कर दिया गया? बार-बार पेपर लीक होने और लाखों युवाओं की परेशानी के लिए कौन ज़िम्मेदारी लेगा?

खड़गे ने कहा कि सरकार को तुरंत संसद में इस मुद्दे पर पूरी चर्चा की अनुमति देनी चाहिए। केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान को इस मामले की नैतिक और राजनीतिक जिम्मेदारी लेते हुए इस्तीफा देना चाहिए। सुरक्षित डिजिटल प्रश्न बैंक और रैंडमाइज्ड पेपर के साथ 21वीं सदी की छात्र-केंद्रित परीक्षा प्रणाली लागू हो। शिक्षा पर अधिक खर्च के साथ एक स्वतंत्र और योग्यता-आधारित शिक्षा प्रणाली, जो आरएसएस के राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त हो। परीक्षा में गड़बड़ी होने पर अनिवार्य रूप से दोबारा परीक्षा और मुआवजे के जरिए छात्रों को कानूनी सुरक्षा मिले। हमारे बच्चे न्याय के हकदार हैं, दमन के नहीं।

फ्लू वायरस मानव कोशिकाओं को कैसे नियंत्रित करता है? नई स्टडी में हुआ खुलासा

नई दिल्ली,(आरएनएस)। दुनिया भर में हर साल 3-5 मिलियन लोग इन्फ्लुएंजा यानी फ्लू की चपेट में आते हैं। इनमें से करीब 6.5 लाख लोगों की मौत भी हो जाती है। खासकर इन्फ्लुएंजा ए वायरस कई बार बड़ी महामारियों का कारण बन चुका है। अब वैज्ञानिकों ने यह समझने में महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है कि यह वायरस मानव कोशिकाओं के भीतर कैसे फैलता है और उन्हें अपनी जरूरत के अनुसार कैसे नियंत्रित करता है। यह अध्ययन जर्नल नेचर माइक्रोबायोलॉजी में प्रकाशित हुआ है। यूरोपियन मॉलेक्यूलर बायोलॉजी लेबोरेटरी (ईएमबीएल) हैम्बर्ग और लाइबनिज रिसर्च इंस्टीट्यूट फॉर मॉलेक्यूलर फार्माकोलॉजी (एफएमपी) के शोधकर्ताओं ने पहली बार यह पता लगाया है कि फ्लू वायरस संक्रमित इंसानी कोशिकाओं के अंदर मौजूद प्रोटीन के साथ किस तरह संपर्क बनाता है। वैज्ञानिकों ने एक खास तकनीक की मदद से यह देखा कि वायरस और इंसानी कोशिकाओं के प्रोटीन आपस में कैसे जुड़ते हैं और वायरस इस व्यवस्था का अपने पक्ष में कैसे इस्तेमाल करता है।

हरिद्वार के पथरेश्वर महादेव मंदिर में दो साधुओं की हत्या, जंगल में दबे मिले शव; मुख्य पुजारी संदेह के घेरे में

हरिद्वार, (आरएनएस)। उत्तराखंड के हरिद्वार जिले के लक्सर क्षेत्र स्थित पथरी थाना अंतर्गत पथरेश्वर महादेव मंदिर में दो साधुओं की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। दोनों के शव मंदिर के समीप जंगल में गड्ढा खोदकर दबाए हुए मिले। घटना के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है और मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, मंदिर के एक सेवादार ने पुलिस को सूचना दी कि मंदिर में रहने वाले दो साधु कई दिनों से दिखाई नहीं दे रहे हैं। सूचना मिलने पर पथरी थाना पुलिस फॉरेंसिक टीम के साथ मौके पर पहुंची। जांच के दौरान मंदिर के पास जंगल में एक संदिग्ध स्थान की खुदाई कराई गई, जहां से दोनों साधुओं के शव बरामद हुए।

प्रारंभिक जांच में पुलिस को आशंका है कि हत्या के बाद साक्ष्य छिपाने के उद्देश्य से शवों को गड्ढे में दफना दिया गया। घटनास्थल से कई अहम साक्ष्य जुटाए गए हैं। अब पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है, जिससे मौत के कारण और समय का स्पष्ट पता चल सके।

पुलिस की शुरुआती जांच में मंदिर के मुख्य पुजारी की भूमिका संदिग्ध मानी जा रही है। घटना के बाद से वह फरार बताया जा रहा है। उसकी तलाश में पुलिस की कई टीमें संभावित ठिकानों पर लगातार दबिश दे रही हैं। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि वारदात में कोई अन्य व्यक्ति भी शामिल था या नहीं।एसपी देहात शेखर चंद सुयाल ने बताया कि दो साधुओं की हत्या कर शवों को गड्ढे में दबाए जाने की घटना सामने आई है। पुलिस सभी पहलुओं की गंभीरता से जांच कर रही है और जल्द ही पूरे मामले का खुलासा करने का दावा किया है।धार्मिक स्थल पर हुई इस दोहरे हत्याकांड से स्थानीय लोगों में आक्रोश है।

अमेरिका उलझा ईरान से सैन्य टकराव में, चीन ने समुद्र में कर दिया मिसाइल परीक्षण

–ड्रैगन कर रहा परमाणु भंडार का विस्तार, इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में बढ़ी चिंता

वाशिंगटन,(ए.)। अमेरिका इन दिनों ईरान के साथ बढ़ते सैन्य टकराव में पूरी तरह उलझा हुआ है। इसी बीच चीन ने ऐसा कदम उठाया, जिसने इंडो-पैसिफिक क्षेत्र में नई चिंता पैदा कर दी। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक चीन ने हाल ही में पनडुब्बी से परमाणु हथियार ले जाने में सक्षम मिसाइल का परीक्षण किया, लेकिन इस घटनाक्रम को उतना वैश्विक ध्यान नहीं मिला, जितना मिलना चाहिए था। रिपोर्ट में कहा गया है कि फरवरी के अंत से अमेरिका का सैन्य और कूटनीतिक फोकस ईरान के साथ संघर्ष पर बना हुआ है। जिस सप्ताह चीन ने यह परीक्षण किया, उसी दौरान अमेरिका ने होर्मुज में जहाजों पर हमलों के बाद ईरान के कई ठिकानों पर कार्रवाई

की। ऐसे में दुनिया का ध्यान पश्चिम एशिया पर केंद्रित था।

रिपोर्ट के मुताबिक यह कहना जल्दबाजी होगी कि चीन ने जानबूझकर अमेरिका की व्यस्तता का फायदा उठाया। चीन का दावा है कि यह उसके वार्षिक सैन्य प्रशिक्षण कार्यक्रम का हिस्सा था। हालांकि उन्होंने यह भी लिखा कि यह परीक्षण ऐसे समय हुआ, जब चीन के परमाणु संकेतों का सबसे प्रभावी जवाब देने वाला देश अमेरिका दूसरे मोर्चे पर व्यस्त था। टोक्यो, कैनबरा और नई दिल्ली में रणनीतिक मामलों पर नजर रखने वालों ने इस घटनाक्रम को गंभीरता से देखा होगा।

रिपोर्ट का कहना है कि इन घटनाओं से साफ संकेत मिलता है कि चीन अब सिर्फ सीमित परमाणु क्षमता रखने वाला देश नहीं रहा। वह अपने परमाणु भंडार का विस्तार कर रहा है, उसे आधुनिक बना रहा है और अब अपनी सैन्य क्षमता का सार्वजनिक प्रदर्शन भी कर रहा है।

अमेरिका में छात्र वीजा नियमों में बदलावः हजारों छात्रों की डिग्री पर खतरा, नवाचार को भी नुकसान

वाशिंगटन (ए.)। अमेरिका में अंतरराष्ट्रीय छात्रों के लिए एफ-1 और जे-1 वीजा नियमों में किए गए नए बदलावों पर चिंता जाहिर की है। एक भारतीय प्रवासी नीति समूह, फाउंडेशन फॉर इंडिया एंड इंडियन डायस्पोरा स्टडीज (एफआईआईडीएस) ने चेतावनी दी है कि चार साल की नई सीमा हजारों छात्रों को अपनी डिग्री या शोध पूरा करने से पहले ही अमेरिका से बाहर कर सकती है, जिससे देश के नवाचार और प्रतिस्पर्धा पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। एफआईआईडीएस ने अमेरिकी निर्वाचित प्रतिनिधियों और अमेरिकी नागरिकता एवं आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) से डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी (डीएचएस) के नए नियम को तत्काल लागू करने पर रोक लगाने की अपील की है।

पाकिस्तान में बारिश से जुड़ी घटनाओं में 12 की मौत; वियतनाम सड़क हादसे में सात की गई जान

इस्लामाबाद (ए.)। पाकिस्तान के उत्तर-पश्चिमी खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में भारी मानसून की बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण हुई विभिन्न घटनाओं में कम से कम 12 लोगों की

मौत हो गई है और 18 अन्य घायल हो गए हैं। प्रांतीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण (पीडीएमए) की एक रिपोर्ट के अनुसार, हताहतों में घरों की छतें और दीवारें गिरने से मारे गए लोग तथा अचानक आई बाढ़ में बह गए लोग शामिल हैं। मृतकों में छह पुरुष, पांच बच्चे और एक महिला शामिल है। घायलों में आठ पुरुष, दो महिलाएं और आठ बच्चे शामिल हैं।

यह घटनाएं पेशावर, खैबर, मर्दन, बुनेर, बाजौर, लोअर चित्रा, एबटाबाद, मनसेहरा, तोरघर और कुर्रम जिलों से बताई गई हैं। पीडीएमए के अनुसार, भारी बारिश और अचानक आई बाढ़ के कारण कुल 14 मकानों को नुकसान पहुंचा है।

अफगानिस्तान में बाढ़ का कहर, 80 से ज्यादा घायल और 100 लोग लापता; बचाव अभियान जारी

काबुल (ए.)। अफगानिस्तान के नूरिस्तान प्रांत में आई भीषण बाढ़ ने बड़े पैमाने पर तबाही मचा दी है। पारून शहर और उसके आसपास के इलाकों में अचानक आई बाढ़ से अब तक 20 लोगों की मौत हो चुकी है। 80 से अधिक लोग घायल हुए हैं, जबकि 100 से ज्यादा लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। भारी बारिश के बाद आई इस प्राकृतिक आपदा ने कई गांवों को प्रभावित किया है। प्रशासन को आशंका है कि बचाव अभियान आगे बढ़ने के साथ मृतकों की संख्या और बढ़ सकती है। पहाड़ी इलाकों में राहत और बचाव कार्य लगातार जारी हैं।

बाढ़ के बाद तालिबान के राष्ट्रीय आपदा प्रबंधन प्राधिकरण ने बताया कि पारून और आसपास के कई क्षेत्रों में भारी नुकसान हुआ है। बड़ी संख्या में लोग इस आपदा की चपेट में आए हैं और संपत्ति को भी भारी क्षति पहुंची है। प्रभावित इलाकों में राहत और बचाव टीमों को भेजा गया है, जो लापता लोगों की तलाश के साथ-साथ नुकसान का आकलन कर रही हैं। अधिकारियों का कहना है कि स्थिति पूरी तरह सामान्य होने में समय लग सकता है, क्योंकि कई क्षेत्रों तक पहुंचना अभी भी मुश्किल बना हुआ है।

क्या बचाव कार्य में सबसे बड़ी चुनौती क्या?

नूरिस्तान का अधिकांश इलाका पहाड़ी है और यहां सड़क संपर्क भी सीमित है। यही वजह है कि राहत और बचाव दलों को प्रभावित गांवों तक पहुंचने में काफी कठिनाई हो रही है। कई स्थानों पर सड़कें बह गई हैं या मलबे से बंद हो गई हैं। ऐसे में बचावकर्मियों को पैदल या वैकल्पिक रास्तों से प्रभावित लोगों तक पहुंचना पड़ रहा है। प्रशासन ने विशेष टीमों को लापता लोगों की तलाश, घायलों की मदद और नुकसान का आकलन करने के लिए तैनात किया है। बचाव अभियान जारी रहने के कारण मृतकों और घायलों की संख्या में बदलाव होने की संभावना जताई गई है।

चार दशकों से भटक रहा विशाल हिमखंड हो चुका है अदृश्य

वॉशिंगटन (ए.)। पिछले चार दशकों से दक्षिणी महासागर में भटक रहा एक विशाल हिमखंड अब पूरी तरह से अदृश्य हो चुका है। इस विशाल हिमखंड को ए23ए के नाम से जाना जाता था। यह हिमखंड, जो आकार में गोवा राज्य से भी बड़ा और ग्रेटर लंदन के क्षेत्रफल का दोगुना था। इसकी 40 साल की लंबी और अनोखी यात्रा अब समाप्त हो गई है, और इसके अवशेष इतने छोटे हो चुके हैं कि उपग्रहों से भी इन्हें ट्रैक करना असंभव है, जिससे इसे औपचारिक रूप से गायब घोषित कर दिया गया है। यह हिमखंड वैज्ञानिकों के लिए एक चलता-फिरता प्रयोगशाला था। वैज्ञानिकों का मानना है कि यह केवल एक हिमखंड के पिघलने की कहानी नहीं है, बल्कि यह अंटार्कटिका, महासागरों और जलवायु परिवर्तन को समझने के लिए किए जा रहे एक लंबे और महत्वपूर्ण प्रयोग का अंत है।

जहां-जहां से ईरान समंदर में ताकत रखता है, ट्रम्प वहीं कर रहे हमले

- ट्रंप का मिशन इस बार पूरी तरह हॉर्मुज़ स्टेट को कंट्रोल करने का

तेहरान,(ए.)। अमेरिका-ईरान के युद्ध में इस बार कुछ ऐसा हो रहा है, जो पहले नहीं हुआ। जिस होर्मुज को ईरान ने सबसे बड़ा हथियार बना रखा था। उसी होर्मुज को लेकर ट्रम्प बार-बार हमले कर रहे हैं। जहां-जहां से ईरान समंदर में अपनी ताकत रखता है, ट्रम्प वहीं पर हमला कर रहे हैं। अमेरिकी सेना ने बंदर अब्बास, चाबहार पोर्ट, केशम द्वीप पर लगातार हमले किए। ये वो इलाके हैं जिसकी मदद से ईरान की सेना हॉर्मुज को कंट्रोल करती है। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक पिछले कुछ दिनों से ईरान पर अमेरिकी सेना लगातार हमले कर रही है।

इस बार समंदर से लेकर रेगिस्तान तक कुछ ऐसा हो रहा है। हॉर्मुज़ को ईरान ने हमेशा से दुनिया को डराने के लिए अपना सबसे बड़ा हथियार बना रखा था। ट्रंप उसी हॉर्मुज़ के भीतर घुसकर ईरान की रीढ़ तोड़ रहे हैं। ईरान का पूरा डिफेंस सिस्टम हिल गया है, लेकिन ये जंग सिर्फ ईरान की जमीन तक सीमित नहीं है। जॉर्डन के मुवफ्फक साल्टी एयरबेस पर हुए भीषण ईरानी मिसाइल अटैक में दो अमेरिकी सैनिकों की मौत हो गई। कई घायल हैं और एक लापता है। अमेरिकी सैनिकों मौत से बौखलाए ट्रंप ने खुला आदेश दे दिया है, ईरान को नरक बना दो।

मतलब साफ है कि ट्रंप का मिशन इस बार पूरी तरह हॉर्मुज़ को कंट्रोल करने का है। इस वक्त पश्चिम एशिया से जो खबरें आ रही हैं। वे रूह कंपा देने वाली हैं। पिछले 24 घंटों में अमेरिका और ईरान के बीच चल रहा युद्ध उस विनाशकारी मोड़ पर पहुंच गया है, जहां से अब पीछे लौटने का कोई रास्ता नहीं है। जॉर्डन में अमेरिकी मिलिट्री बेस पर हुए ईरानी हमले के बाद ट्रंप का गुस्सा सातवें आसमान पर हैं। ट्रंप ने कहा कि मेरे हिसाब से ये सब खत्म हो गया है। मैं अब उनसे कोई वास्ता नहीं रखना चाहता। वे बीमार सोच वाले लोग हैं। उन्हें बीमार सोच वाले लोग ही चलाते हैं और वे बहुत क्रूर और हिंसक लोग हैं। अगर उनके पास परमाणु हथियार होता, तो वे उसका इस्तेमाल कर लेते। जहां तक मेरी बात है, ये सब खत्म हो चुका है। रिपोर्ट के मुताबिक ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि रातभर भारी मंथन चला था, अमेरिका के साथ समझौते के मसौदे को अंतिम रूप देने और उस पर मुहर लगाने के लिए देश के तमाम टॉप कमांडर बंद कमरे में रणनीतिक बैठक में जुटे रहे थे, लेकिन ईरान भी पीछे नहीं हटा है उसने अपनी पूरी मिसाइल रणनीति बदल दी है। इसने अमेरिकी एयर डिफेंस की धज्जियां उड़ा दी हैं।

फीचर

व्यक्तिगत पीड़ा को बढ़ाकर पेश करना सही दृष्टिकोण नहीं : अदा शर्मा

मुंबई (ए.)। सच्ची घटनाओं पर आधारित आगामी मराठी फिल्म गजरा के जरिए अभिनेत्री अदा शर्मा पहली बार मराठी सिनेमा में अपनी अदाकारी का प्रदर्शन करेंगी। अदा शर्मा का मानना है कि जब किसी वास्तविक घटना को बड़े पर्दे पर उतारा जाता है, तो फिल्म निर्माता और कलाकारों दोनों की जिम्मेदारी कई गुना बढ़ जाती है।

उनका मुख्य उद्देश्य उन वास्तविक लोगों के दर्द, संघर्ष और अनुभवों को पूरी संवेदनशीलता के साथ दर्शकों तक पहुंचाना होता है, जिन्होंने उन परिस्थितियों का सामना किया है। एक विशेष बातचीत में अदा शर्मा ने सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्मों के महत्व और चुनौतियों पर खुलकर बात की। उन्होंने जोर देकर कहा कि जब किसी व्यक्ति के वास्तविक अनुभव या उसकी पीड़ा को सिनेमाई रूप दिया जाता है, तो उस कहानी के साथ न्याय करना और पूरी संवेदनशीलता बरतना बेहद आवश्यक है। दर्शकों पर गहरा असर डालने के लिए किसी की व्यक्तिगत पीड़ा को बढ़ा-चढ़ाकर या सनसनीखेज तरीके से प्रस्तुत करना कभी भी सही दृष्टिकोण नहीं हो सकता।

अदा के अनुसार, वास्तविक घटनाओं पर आधारित कहानी कहने के साथ एक बहुत बड़ी नैतिक और कलात्मक जिम्मेदारी जुड़ी होती

है। हमारा लक्ष्य केवल दर्शकों को चौंकाना नहीं होता, बल्कि उन्हें यह समझाना होता है कि कहानी के किरदार किन भावनात्मक उथल-पुथल और कठिन परिस्थितियों से गुजरे हैं। अगर दर्शक किसी किरदार के दर्द और उसकी भावनाओं को गहराई से महसूस कर पाते हैं, तभी ऐसी कहानी अपने वास्तविक उद्देश्य में सफल मानी जा सकती है और समाज पर एक सार्थक प्रभाव छोड़ पाती है। अभिनेत्री ने आगे स्पष्ट किया कि एक कलाकार के रूप में वे किसी और की जिंदगी में कुछ समय के लिए मेहमान बनते हैं।इसलिए उनकी निरंतर कोशिश रहती है कि उस व्यक्ति की भावनाओं, अनुभवों और संघर्षों को जितनी हो सके उतनी ईमानदारी और सच्चाई के साथ पर्दे पर जीवंत किया जा सके।

अदा शर्मा ने यह भी कहा कि कई बार वास्तविक जीवन में घटित होने वाली घटनाएं फिल्मों की काल्पनिक कहानियों से भी कहीं अधिक नाटकीय और अविश्वसनीय प्रतीत होती हैं। लोग अक्सर यह मान लेते हैं कि फिल्मों में कहानी को अधिक प्रभावशाली बनाने के लिए कई चीजों को जोड़ा या बढ़ा-चढ़ाकर पेश किया जाता है, लेकिन सच्ची घटनाओं पर आधारित फिल्मों में कई बार इसके ठीक विपरीत करना पड़ता है, जहाँ अति-नाटकीय वास्तविकताओं को संतुलित करना पड़ता है ताकि वे विश्वसनीय लगें। यह फिल्म गजरा श्रेयस जाधव के निर्देशन में बन रही है। फिल्म की विस्तृत कहानी और विषयवस्तु को लेकर अभी ज्यादा जानकारी साझा नहीं की गई है।

रियलिटी शो दिखाते है कलाकारों का असली चेहरा : ईशा सिंह

मुंबई (ए.)। बिग बॉस 18 में जानी-मानी अभिनेत्री ईशा सिंह अपनी उपस्थिति के बाद से लगातार सुर्खियों में बनी हुई हैं। शो और अभिनय की दुनिया के बीच के मूलभूत अंतरों पर उन्होंने अपनी राय साझा की है। अभिनेत्री ईशा का मानना है कि रियलिटी शो दर्शकों को किसी कलाकार के असली स्वभाव और व्यक्तित्व को करीब से जानने का एक अनूठा अवसर प्रदान करते हैं। एक विशेष साक्षात्कार में ईशा सिंह से जब पूछा गया कि क्या रियलिटी शो किसी अभिनेता या अभिनेत्री को अधिक लोकप्रिय बनाने में मदद करते हैं, इस पर उन्होंने अपनी राय स्पष्ट करते हुए कहा, मुझे यह ठीक-ठीक नहीं पता कि इससे किसी कलाकार की लोकप्रियता कितनी बढ़ती

है, लेकिन यह सच है कि दर्शकों को अपने पसंदीदा सितारों की निजी जिंदगी और उनकी असल पर्सनैलिटी के बारे में जानने में हमेशा गहरी दिलचस्पी रहती है। लोग बिहाइंड द सीन्स जैसी चीजें देखना इसलिए पसंद करते हैं, क्योंकि वे कलाकार को और अधिक व्यक्तिगत स्तर पर जानना चाहते हैं। जब कोई कलाकार किसी रियलिटी शो में आता है, तो दर्शकों को उसके असली स्वभाव, उसके दैनिक व्यवहार, उसकी पसंद-नापसंद और उसकी प्रतिक्रियाओं को समझने का अवसर मिलता है, जो उसे एक सामान्य इंसान के रूप में दिखाता है। अभिनेत्री ने अपनी बात को और स्पष्ट करने के लिए उदाहरण देते हुए कहा, दर्शक मेरे निभाए गए किरदारों जैसे जुही और सैयम को जानते हैं और उनसे भावनात्मक रूप से जुड़ते हैं, लेकिन असल जिंदगी में ईशा कैसी हैं, उनका व्यवहार कैसा है, वे किन मूल्यों को मानती हैं और वह किस तरह की इंसान हैं, यह जानने का वास्तविक मौका रियलिटी शो से ही मिलता है। रियलिटी शो में कोई स्क्रिप्टेड किरदार नहीं होता और न ही कोई अभिनय का पर्दा होता है, बल्कि वहां कलाकार पूरी तरह से अपने स्वाभाविक रूप में सामने आता है, अपनी कमजोरियों और खूबियों के साथ। ईशा सिंह ने आगे कहा, यही एक प्रमुख वजह है कि दर्शकों का कलाकारों के साथ एक अलग तरह का और अधिक व्यक्तिगत जुड़ाव बन जाता है। लोग केवल किसी कलाकार का काम या उसके किरदार ही नहीं देखना चाहते, बल्कि यह भी जानना चाहते हैं कि वह अपनी निजी जिंदगी में कैसा है, उसका रहन-सहन कैसा है। दर्शकों को यह जानने में भी दिलचस्पी होती है कि कोई कलाकार क्या पहनता है, कैसे तैयार होता है, क्या खाता है और उसका व्यवहार कैसा है, ये सभी बातें उसकी असली शख्सियत का हिस्सा होती हैं।उन्होंने अंत में निष्कर्ष निकाला, रियलिटी शो और फिक्शन शो दो बिल्कुल अलग चीजें हैं। दोनों का अपना अलग महत्व, अपनी अलग पहचान और अपना अलग दर्शक वर्ग होता है।

सलमान समझ चुके थे कि हम दोनों के बीच कुछ खास है : जहीर इकबाल

मुंबई (ए.)। अपनी निजी जिंदगी को लेकर अभिनेत्री सोनाक्षी सिन्हा और जहीर इकबाल अक्सर सुर्खियों में बने रहते हैं। हाल ही में इस नवविवाहित जोड़े ने बताया कि बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान को उनके रिश्ते की भनक काफी पहले ही लग गई थी। हाल ही में सोनाक्षी सिन्हा और जहीर

इकबाल खास मेहमान के तौर पर एक चैट शो में पहुंचे थे। इस दौरान दोनों ने अपनी पहली मुलाकात, रिश्ते की शुरुआत और डेटिंग के शुरुआती दिनों से जुड़े कई यादगार किस्से सुनाए। बातचीत के दौरान उन्होंने इस बात का खुलासा किया कि सलमान खान उनके रिश्ते की शुरुआत से ही इस कहानी का एक अहम हिस्सा रहे हैं, क्योंकि दोनों की पहली मुलाकात सलमान खान द्वारा आयोजित एक पार्टी में हुई थी। इसी पार्टी में दोनों के बीच दोस्ती हुई और धीरे-धीरे यह दोस्ती प्यार में बदल गई।

जहीर इकबाल ने शो में बताया, सलमान खान को हमारे बताने से पहले ही मेरे और सोनाक्षी के रिश्ते के बारे में पता चल गया था। वह समझ चुके थे कि हम दोनों के बीच कुछ खास है। हमारे बीच एक अलग तरह की बॉन्डिंग और केमिस्ट्री नजर आती थी, जिसे सलमान खान ने तुरंत पहचान लिया था। इस दौरान सोनाक्षी सिन्हा ने जहीर की बात का समर्थन करते हुए कहा, एक अलग तरह की वाइब (ऊर्जा) चल रही थी और सलमान इतने भी अनजान नहीं हैं। उन्होंने हमें देख लिया था। हालांकि, जब भी वह मुझसे पूछते थे तो हम दोनों इसे नकार देते थे और कहते थे कि ऐसा कुछ नहीं है, हम सिर्फ दोस्त हैं। सोनाक्षी ने एक और दिलचस्प किस्सा साझा करते हुए बताया, एक दिन सलमान खान ने मुझसे और जहीर से बात करते हुए कहा था कि एक समय ऐसा आएगा जब दोनों का ब्रेकअप हो सकता है और उस स्थिति में दोनों ही दुखी होंगे। सलमान की यह बात सुनकर हम दोनों हैरान रह गए थे, क्योंकि उस समय तक हमने खुद अपने रिश्ते को नाम नहीं दिया था। सोनाक्षी ने एक और मजेदार घटना का जिक्र करते हुए बताया कि एक ट्रेकिंग ट्रिप के दौरान सलमान खान ने जहीर से सीधे ही कह दिया था, दिख रहा है सब। सलमान की इस छोटी सी बात से दोनों को यह अच्छी तरह समझ आ गया था कि अब उनके रिश्ते को सलमान खान से छिपाना बिल्कुल भी आसान नहीं है।

रिश्तों में दूरी आती है, तो प्यार की कीमत बढ़ जाती है : शहनाज गिल

मुंबई (ए.)। अपनी आगामी पंजाबी फिल्म इश्कनामा को लेकर लोकप्रिय अभिनेत्री शहनाज गिल चर्चा में हैं। शहनाज ने फिल्म की रिलीज से पहले प्यार और रिश्तों की जटिलताओं पर अपने विचारों को खुलकर साझा किया। एक विशेष साक्षात्कार में उन्होंने बताया कि जब दो

लोगों के बीच भौगोलिक या भावनात्मक दूरी आती है, तो कई बार प्यार की अहमियत और अधिक बढ़ जाती है। यह दूरी सामने वाले की उपस्थिति की कमी शिद्दत से महसूस होने लगती है। हालांकि, दूरी के साथ ही रिश्तों में कुछ अनिश्चितताएं और शक भी पैदा हो सकते हैं, जो संबंधों की नींव को हिला सकते हैं। जब शहनाज से पूछा कि क्या दूरी प्यार को मजबूत बनाती है या धीरे-धीरे रिश्ते को कमजोर कर देती है, तो इस पर उन्होंने बड़ी बेबाकी से जवाब दिया, जब रिश्तों में दूरी आती है, तो प्यार की कीमत बढ़ जाती है। यह सच है कि दूरी अक्सर दिलों को और करीब ला देती है, क्योंकि इंसान को सामने वाले की अहमियत और अधिक महसूस होने लगती है। लेकिन हांज् यह भी सच है कि आपको यह नहीं पता होता कि दूसरा व्यक्ति आपकी अनुपस्थिति में क्या कर रहा है। इसलिए दूरी के साथ शक और अनिश्चितता भी बढ़ सकती है, जो रिश्ते के लिए एक चुनौती बन जाती है। शहनाज ने आगे कहा कि किसी भी रिश्ते में प्यार और भरोसा दो सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ होते हैं।

दूरी कई बार रिश्ते की गहराई और मजबूती को समझने का एक अवसर देती है, लेकिन साथ ही यह भरोसे की एक कठिन परीक्षा भी बन सकती है, जिसे हर रिश्ते को पास करना होता है। फिल्म इश्कनामा एक सच्ची प्रेम कहानी पर आधारित है, जो निम्मा और नसीमा नामक वास्तविक जीवन के प्रेमी जोड़े के भावनात्मक सफर को दर्शाती है। फिल्म की पृष्ठभूमि 1981 से 1988 के बीच भारत-पाकिस्तान सीमा के आसपास स्थापित है, जो इसे एक ऐतिहासिक रोमांटिक ड्रामा बनाती है और प्रेम की सीमाओं को चुनौती देती है। इंटरव्यू में जब शहनाज से पूछा गया कि आज के दौर में, जब लोग डेटिंग ऐप्स और सोशल मीडिया के जरिए अपने लिए पार्टनर तलाश रहे हैं, क्या ऐसे समय में निम्मा और नसीमा जैसा शुद्ध और निस्वार्थ प्रेम संभव है, तो इस सवाल पर शहनाज ने दृढ़ता से कहा कि प्यार का तरीका और माध्यम समय के साथ बदल सकता है, लेकिन उसकी मूल भावना और गहराई हमेशा वही रहती है।

टारगेट के नाम पर कर्मचारियों का शोषण बंद करने सहित 9 सूत्रीय मांगों को लेकर कर्मचारियों ने उठाई आवाज

कर्मचारियों ने हाथों में काली पट्टी बांध जताया विरोध

सीहोर(निप्र)। डाक विभाग के कर्मचारियों ने विभागीय एवं ग्रामीण डाक सेवक (जी.डी.एस.) कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं के समाधान की मांग करते हुए केंद्र सरकार एवं डाक विभाग के समक्ष 9 सूत्रीय मांगपत्र प्रस्तुत किया। कर्मचारियों ने कहा कि विभाग में टारगेट के नाम पर कर्मचारियों का शोषण किया जा रहा है, जिसे तत्काल बंद किया जाना चाहिए। कर्मचारियों ने मांग की कि विभागीय एवं जी.डी.एस. कर्मचारी डाकघर एवं रेल डाक सेवा कार्यालयों में अपनी निर्धारित जिम्मेदारियों के निर्वहन के लिए नियुक्त किए जाते हैं, न कि गली-गली घूमकर विभिन्न योजनाओं के टारगेट पूरे करने के लिए।

वर्तमान में कई कर्मचारी अपने वेतन से राशि खर्च कर खाते खुलवाने को मजबूर हैं, जिससे आर्थिक एवं मानसिक शोषण हो रहा है। मांगपत्र में कहा गया कि एक शहर से दूसरे शहर तक डाक भेजने के लिए आर.टी.एन. सेवा के स्थान पर पुन: रेल डाक सेवा (आर.एम.एस.) को प्रभावी बनाया जाए, ताकि सरकारी धन निजी एजेंसियों के बजाय भारतीय रेल जैसे अन्य सरकारी विभाग को प्राप्त हो तथा बंद किए गए रेल डाक सेवा अनुभागों को फिर से शुरू किया जाए।कर्मचारियों ने मेल मोटर सेवा (एम.एम.एस.) एवं सिविल विंग के सभी रिक्त पदों पर शीघ्र भर्ती करने, विभाग में बढ़ रहे भ्रष्टाचार एवं अनियमितताओं पर कठोर कार्रवाई करने तथा इस संबंध में यूनियन प्रतिनिधियों से चर्चा करने की भी मांग की।

सीहोर जिले में 21 जुलाई तक औसत 374.6 मिमी वर्षा दर्ज

सीहोर,(निप्र)। भू-अभिलेख कार्यालय से प्राप्त दैनिक वर्षा रिपोर्ट के अनुसार 21 जुलाई 2026 को जिले में औसतन 11.4 मिमी वर्षा दर्ज की गई। सर्वाधिक 36.0 मिमी वर्षा श्यामपुर तहसील में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा बुधनी में 26.0 मिमी, रेहटी में 19.4 मिमी, सीहोर में 7.0 मिमी तथा भैरूंदा में 3.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई। आष्टा, जावर एवं इछावर तहसीलों में वर्षा दर्ज नहीं की गई। 01 जून 2026 से 21 जुलाई 2026 तक जिले में औसतन 374.6 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है, जबकि गत वर्ष इसी अवधि में जिले में 449.9 मिमी औसत वर्षा दर्ज की गई थी। तहसीलवार आंकड़ों के अनुसार आष्टा में सर्वाधिक 502.0 मिमी वर्षा दर्ज की गई है। इसके अलावा जावर में 454.0 मिमी, भैरूंदा में 392.0 मिमी, रेहटी में 390.2 मिमी, इछावर में 378.0 मिमी, सीहोर में 330.8 मिमी, बुधनी में 317.5 मिमी तथा श्यामपुर में 232.3 मिमी वर्षा रिकॉर्ड की गई है।

कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित

सीहोर,(निप्र)। कलेक्ट्रेट सभाकक्ष में जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में जिला पंचायत सीईओ श्रीमती सर्जना यादव ने नागरिकों की समस्याएं सुनीं और समय सीमा में निराकरण के निर्देश दिए। जनसुनवाई में जिलेभर से आए 35 आवेदकों ने अपनी समस्याओं से संबंधित आवेदन दिए। जिला मुख्यालय के साथ ही जनपद कार्यालयों में भी जनसुनवाई आयोजित की गई। जनसुनवाई में भूमि विवाद, नामांतरण, बंटवारा, आपसी विवाद, मेढ.-रास्ता विवाद, बीपीएल कार्ड, प्रधानमंत्री आवास, गन लाइसेंस, वृद्धावस्था पेंशन, आर्थिक सहायता, मुआवजा से संबंधित आवेदन प्राप्त हुए। जनसुनवाई में अपर कलेक्टर बृजेश सक्सेना, संयुक्त कलेक्टर रविंद्र परमार सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित थे।

रात में गहरा गड्ढा कर रही जेसीबी को विधायक सुदेश राय ने कराया बंद, हरे भरे सुंदर बन को उजाड़ रहा था अंडरग्राउंड सीवेज कांट्रेक्टर

सीहोर (निप्र)। सीवन नदी के तट पर स्थित हरे-भरे सुंदरबन की भूमि को सोमवार रात अंधेरे में अंडरग्राउंड सीवेज कंस्ट्रक्शन का कॉन्टैक्टर जेसीबी पोकलेन चलाकर

छन्नी कर रहा था । कॉन्टैक्टर की मनमानी की सूचना मिलते ही विधायक सुदेश राय सीधे सुंदरबन पहुंचे और अंडरग्राउंड सीवेज कंस्ट्रक्शन कॉन्टैक्टर अक्षय के कर्मचारियों के द्वारा जेसीबी पोकलेन से किए जा रहे काम को बंद कराया। विधायक सुदेश राय ने कहा कि नगर पालिका के सीएमओ सुधीर सिंह ने भी सुंदरवन में कार्य करने के लिए मना किया है इसके बावजूद आपके द्वारा जबरन निर्माण कार्य जा रहा है। विधायक राय ने मौके से ही सीएमओ सुधीर सिंह को भी कॉल किया और शहर में जारी अंडरग्राउंड सीवेज कंट्रक्शन कॉन्टैक्टर के सभी काम बंद करने के निर्देश दिए।नहीं मान रहे सीएमओ के निर्देशनगर पालिका परिषद के द्वारा अमृत योजना 2.0 के तहत जारी गुणवत्ताहीन और भ्रष्टाचार युक्त अंडरग्राउंड सीवेज कंस्ट्रक्शन से आक्रोशित विधायक सुदेश राय ने कॉन्टैक्टर को फटकार लगाते हुए कहा कि सीवेज वालों ने शहर की ऐसी तैसी कर रखी है सीएमओ की भी नहीं सुन रहे हैं।

हरिओम सिसोदिया बने एनएसयूआई के नए जिलाध्यक्ष कांग्रेस कार्यकर्ताओं में भारी उत्साह

सीहोर (निप्र)। छात्र संगठन नेशनल स्टूडेंट्स यूनियन ऑफ इंडिया (एनएसयूआई) ने संगठन का विस्तार करते हुए नवीन नियुक्तियाँ की गई है। जिसके तहत् राष्ट्रीय अध्यक्ष विनोद झाकर, राष्ट्रीय प्रभारी कनैया कुमार, कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष जीतु पटवारी, प्रदेश प्रभारी अंशुल त्रिपाठी की सहमति एवं जिला काँग्रेस अध्यक्ष राजीव गुजराती की अनुसंशा पर एनएसयूआई के प्रदेश अध्यक्ष आशुतोष चौकसे के द्वारा हरिओम सिसोदिया को सीहोर जिला एनएसयूआई अध्यक्ष मनोनित किया गया है।

हरिओम सिसोदिया को नया जिला अध्यक्ष नियुक्त किया है। इस घोषणा के बाद से ही स्थानीय कांग्रेस नेताओं और छात्र कार्यकर्ताओं में हर्ष की लहर है।

महिला भजन मंडल को दिया साउंड सिस्टम अब दूर तक जाएगी हनुमान मंदिर से आवाज

सीहोर(निप्र)। महिला भजन मंडल को समाजसेविका अरुणा राय ने मंगलवार को साउंड सिस्टम प्रदान किया। महिला मंडल खड़े हनुमान मंदिर में भजन कीर्तन करता है। पार्षद मुकेश मेवाड़ा और समाजसेवी राजेश मेवाड़ा द्वारा विधायक सुदेश राय से भजन मंडली को सिस्टम उपलब्ध कराने की अनुशंसा की गई थी । खड़े हनुमान मंदिर में आयोजित कार्यक्रम में अरुणा राय ने खड़े हनुमान मंदिर पहुँचकर महिला भजन मंडली को यह साउंड सिस्टम ससम्मान प्रदान किया। भजन मंडली की महिलाओं ने विधायक सुदेश राय और समाजसेवीका अरुणा राय का आभार व्यक्त किया। अब मंदिर में भजन-कीर्तन और धार्मिक आयोजनों में और भी अधिक उत्साह व मधुरता देखने को मिलेगी। कार्यक्रम में मुख्य रूप से दशरथ ठाकुर अनिकेत प्रजापति , कान्हा जायसवाल ,रोशन मेवाड़ा ,रोहित राठौर सहित महिला भजन मंडली की सभी बहनें श्रद्धालुजन उपस्थित रहे।

उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत मानसिक स्वास्थ्य जागरुकता सत्र आयोजित

सीहोर(निप्र)। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन, मध्यप्रदेश एवं उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त तत्वावधान में संचालित उमंग उच्च शिक्षा हेल्थ एंड वेलनेस कार्यक्रम के अंतर्गत प्रधानमंत्री कॉलेज ऑफ एक्सीलेंस, चंद्रशेखर आज़ाद शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, सीहोर के नवीन कॉन्फ्रेंस हॉल में मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता विषय पर स्वास्थ्य एवं वेलनेस सत्र का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम महाविद्यालय के प्रभारी प्राचार्य डॉ. आमिर एजाज के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। सत्र में जिला चिकित्सालय, सीहोर के किशोर स्वास्थ्य परामर्शदाता ममतेश राठौर ने विद्यार्थियों को मानसिक स्वास्थ्य के महत्व, तनाव प्रबंधन, सकारात्मक जीवनशैली तथा समय पर विशेषज्ञ से परामर्श लेने की आवश्यकता के संबंध में विस्तृत जानकारी दी।

नवमी पर किया जाएगा प्रसादी का वितरण गुप्त नवरात्रि पर किया कालरात्रि का आह्वान

सीहोर (निप्र)। प्रतिवर्ष अनुसार इस वर्ष भी शहर के विश्रामघाट मां चौसट योगिनी मरीह माता मंदिर में गुप्त नवरात्रि का पावन पर्व आस्था और उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। नियमित रूप से यहां पर सुबह नवग्रह की पूजन के अलावा शाम को हवन का आयोजन किया। वहीं मंगलवार को मंदिर के व्यवस्थापक गोविन्द मेवाड़ा, रोहित मेवाड़ा, जिला संस्कार मंच संयोजक जितेन्द्र तिवारी, संकल्प वृद्धाश्रम के राहुल सिंह, यज्ञाचार्य पंडित मोहन शर्मा सहित अन्य ने यहां गुप्त नवरात्रि के पावन अवसर पर फूलों से विशेष देवी का विशेष श्रृंगार किया। अब नवमीं पर हलवे की प्रसादी का कन्याओं को वितरण किया जाएगा। संस्कार मंच प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि गुप्त नवरात्रि के सातवें दिवस मां कालरात्रि की पूजा क विधान है। माता को देवी दुर्गा के नौ रूपों में से सातवां स्वरूप कहा गया है। नवरात्र के सातवें दिन माता के इसी स्वरूप को ध्यान में रखकर इनकी पूजा की जाती है। देवी का यह नाम उनके स्वरूप के कारण से है। इस स्वरूप में माता का वर्ण काजल के समान काला है। कथा है कि शुंभ-निशुंभ और उसकी सेना को देखकर देवी को भयंकर क्रोध आया और इनका वर्ण श्यामल हो गया। इसी श्यामल स्वरूप से देवी कालरात्रि का प्राकट्य हुआ। देवी के कालरात्रि की चार भुजाएं हैं। ऊपर की दाहिनी भुजा से माता भक्तों को वर प्रदान करती हैं और नीचली दायीं भुजा से अभय देती हैं जबकि बायीं भुजाओं में माता खड्ग और कंटीला मूसल धरण करती हैं। कहीं-कहीं माता के हाथों में खड्ग और कटोरी भी बताया जाता है। माता कालरात्रि के बाल खुले हुए हैं और गले में विद्युत की माला शोभा पा रही है जिसकी चमक से ऐसे प्रतीत होता है कि बिजली चमक रही हो। क्रोध में माता की नासिका से अग्नि धधकती है। माता कालरात्रि का वाहन गर्दभ है।

सीएमएचओ ने किया टीकाकरण शिविरों का निरीक्षण

सीहोर (निप्र)। सीएमएचओ डॉ. सुधीर कुमार डेहरिया ने ग्राम चंदेरी और आलमपुरा में आयोजित टीकाकरण शिविरों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने निर्देश दिए कि सभी बच्चों का समय पर टीकाकरण सुनिश्चित किया जाए। टीकाकरण बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को गंभीर बीमारियों से सुरक्षित रखने का सबसे प्रभावी माध्यम है। उन्होंने टीकाकरण रजिस्टर के साथ ही वैक्सीन उपलब्धता की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। सीएमएचओ के साथ ही स्वास्थ्य विभाग के अनेक अधिकारियों ने अलग-अलग केंद्रो पर जाकर शिविरों का निरीक्षण किया। उल्लेखनीय है कि स्वास्थ्य विभाग द्वारा सभी शासकीय स्वास्थ्य संस्थाओं पर प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को शिविर लगाकर गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का विभिन्न बीमारियों से बचाव के लिए टीकाकरण किया जा रहा है। इसके साथ ही प्रत्येक मंगलवार एवं शुक्रवार को ग्राम स्वास्थ्य एवं पोषण दिवस मनाया जाता है, जिसके तहत शिविर लगाकर टीकाकरण के साथ ही बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को अन्य स्वास्थ्य सेवाएं भी उपलब्ध कराई जाती है। 21 जुलाई को जिलेभर में आयोजित शिविरों में 0 से 1 वर्ष आयु वर्ग के 797 बच्चों तथा 1 वर्ष से अधिक आयु के 397 बच्चों का टीकाकरण किया गया। इसके अतिरिक्त 168 गर्भवती महिलाओं को टिटेनस का टीका लगाया गया।

मुनि श्री अभेदसागर जी महाराज ससंघ के सानिध्य मे धार्मिक अनुष्ठान संपन्न कर श्रध्दालु धर्म लाभ अर्जित कर रहे है

हमारे परिणामों में निर्मलता आ रही है, इसका नाम धर्म है : मुनिश्री अभेदसागर जी

सीहोर (निप्र)। दिगंबर जैन तपोनिष्ठ संत 108 आचार्य श्री सुबलसागर सागर जी महाराज के परम प्रभावक शिष्य पूज्य मुनिश्री अभेद सागर जी महाराज एवं सीहोर जिला गोरव रत्न मुनिश्री अर्गभ सागर जी महाराज ससंघ जैन संत भवन मे विराजमान है ।मुनि श्री संघ के सानिध्य मे श्री पार्श्वनाथ दिगम्बर जैन मंदिर मे प्रात: श्रध्दालुओ ने तीर्थंकर भगवान आदिनाथ कि प्रतिमा के अभिषेक शांति धारा नित्य नियम पूजन अर्चना कर धर्म लाभ अर्जित कियाधर्म सभा मे मुनि श्री ने श्रध्दालुओ को संबोधित करते हुए प्रवचन मे कहां की तत्पश्चात मुनिश्री आहार चर्या विधी विधान संपन्न कर धर्म लाभ अर्जित किया ।भो ज्ञानी! मन कहता है कि धर्म में जीऊँ, पर धर्म की क्रिया करने के लिये मेरे पास समय नहीं है। अब बताइये धर्म क्या है? पुण्य नहीं है, तो बताइये, धर्म कौन-सी वस्तु है? आप बाजार से फल खरीदने जाते हैं, कि रस खरीदने जाते, कि छिलका खरीदने जाते, कि दल खरीदने जाते ? लोगों ने पुण्य को ऐसे समझ लिया है जैसे बिल्कुल वास्तव में पाप ही हो। पुण्य जब पाप है, तो पाप क्या है मुनि श्री उदाहरण देते हुए बताया किजब बाजार में जाता है व्यक्ति और अनार फल को खरीदता है। ज्ञानी! जब तू फल खरीदेगा, तो छिलका खरीदेगा, उसमें दल होगा, बीज होगा। तो फल कौन-सा है? यदि आप कहो कि रस फल नहीं है, दाना फल नहीं है, छिलका फल नहीं है, पर इन सबसे रहित फल भी नहीं है। इन सबके सहयोग का नाम फल है। इसी प्रकार से पुण्य-क्रिया धर्म नहीं है, परन्तु पुण्य-क्रिया के बिना धर्म होता भी नहीं है। बात को समझना। ये छिलके आदि फल नहीं है, रस नहीं हैं, पर इन सबके बिना रस होता भी नहीं है।

रस तो रस है, छिलका छिलका है, दाना दाना है, बीज बीज है। ऐसे ही क्रिया तो क्रिया है, धर्म धर्म है, परन्तु धर्म क्रिया के अन्दर है, क्रिया धर्म नहीं है। मुनि श्री ने आगे विस्तार से प्रकाश डालते हुए कहांभो ज्ञानी ! आप यहाँ पर आये, स्वाध्याय सुन रहे हैं, जिनवाणी सुन रहे हैं। पुण्य चल रहा है। पुण्य-क्रिया चल रही। ये स्वाध्याय की पुण्य-क्रिया में जो हमारे कषायों की मंदता आ रही है, इसका नाम धर्म है। हमारे परिणामों में निर्मलता आ रही है, इसका नाम धर्म है। जो क्रिया चल रही है, वो पुण्य-आस्त्रव है। भो ज्ञानी! कषायों की मंदता के बिना धर्म प्रारंभहोगा नहीं और जब पूर्ण धर्म की बात आयेगी तो तू अकषाय भाव को प्राप्त करेगा। परन्तु मार्ग, मार्ग है और मार्गी, मार्गी है।

ये रत्नत्रय मार्ग है और रत्नत्रय से युक्त मोक्षमार्गी है। वो ही यथार्थ धर्म है। उस धर्म के लिये इस धर्म की आवश्यकता है। सम्यक्त्व के बिना धर्म नहीं होगा, पुण्य होगा। सम्यक्त्व के अभाव में जो भी आप पूजन-पाठ करोगे, वो मात्र पुण्यानव का कारण होगा। परन्तु सम्यग्दृष्टि जो भी क्रिया करे, उसकी पुण्य-क्रिया भी कर्म निर्जरा का हेतु बनेगी। इसलिये मिध्यादृष्टि जीव का शुभास्त्रव संसारसुखों का ही हेतु है। सम्यग्दृष्टि जीव का शुभास्त्रव परम्परा से मोक्ष का हेतु है। भो ज्ञानी! आगम में प्रवचन उसे कहा है. जिससे सम्यक्त्व में वद्धि हो। यदि आप कहीं के उदाहरण खोज कर लाये हो तो जिसकी वहाँ दष्टि नहीं थी. उसकी दष्टि वहाँ पहुँच गई।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव के दौरान सभी व्यवस्थाएं सुचारु बनाए रखने के कलेक्टर ने दिए निर्देश

कुबेरेश्वर धाम पर आयोजित गुरु पूर्णिमा महोत्सव के संबंध में बैठक आयोजित

सीहोर (निप्र)। कलेक्टर बालागुरू के. द्वारा कुबेरेश्वर धाम में 21 जुलाई से 30 जुलाई तक आयोजित होने वाले गुरुपूर्णिमा महोत्सव के दौरान कानून एवं शांति व्यवस्था बनाए रखने के उद्देश्य से राजस्व एवं पुलिस अधिकारियों की बैठक आयोजित की गई। बैठक में उन्होंने कहा कि गुरु पूर्णिमा महोत्सव में बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के आने की संभावना है। ऐसे में सुरक्षा व्यवस्था, यातायात प्रबंधन एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए सभी अधिकारी पूरी सतर्कता एवं समन्वय के साथ कार्य करें। उन्होंने पुलिस एवं राजस्व अधिकारियों को संवेदनशील स्थानों पर विशेष निगरानी रखने तथा आवश्यकता अनुसार पर्याप्त बल की तैनाती सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि धाम परिसर एवं आसपास के क्षेत्रों में साफ-सफाई की समुचित व्यवस्था रहे तथा पर्याप्त पेयजल उपलब्ध कराया जाए। श्रद्धालुओं के वाहनों की सुचारू पार्किंग, आवागमन के लिए सुव्यवस्थित यातायात व्यवस्था तथा भीड़ प्रबंधन के लिए आवश्यक इंतजाम समय रहते पूरे कर लिए जाएं। उन्होंने कहा कि यातायात प्रभावित न हो और श्रद्धालुओं को अनावश्यक परेशानी का सामना न करना पड़े, इसके लिए वैकल्पिक मार्गों एवं पार्किंग स्थलों का प्रभावी संचालन सुनिश्चित किया जाए।

गुरु पूर्णिमा महोत्सव की तैयारियां तेज, 24 जुलाई से शिव महापुराण कथा, 29 जुलाई को गुरु दीक्षा समारोह

आयोजन को लेकर समिति और प्रशासन जुटे, देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के आने की संभावना महोत्सव के दौरान रुद्राक्ष वितरण रहेगा बंद, श्रद्धालुओं के लिए की जा रही विशेष व्यवस्थाएं

सीहोर (निप्र)। जिला मुख्यालय के समीपस्थ चितावलिया हेमा स्थित मुरली मनोहर एवं कुबेरेश्वर महादेव मंदिर में हर साल की तरह इस साल भी गुरु पूर्णिमा महोत्सव का आयोजन किया जा रहा है। महोत्सव की शुरुआत 24 जुलाई से होगी। इस मौके पर दोपहर में कथा और 29 जुलाई को दीक्षा महोत्सव का आयोजन कथावाचक पंडित प्रदीप मिश्रा के सानिध्य में किया जाएगा। मंदिर परिसर में होने वाली कथा की तैयारियां पूर्ण की जा रही है। इसको लेकर स्वयं अंतर्राष्ट्रीय कथा वाचक पंडित श्री मिश्रा ने यहां पर आने वाले श्रद्धालुओं को लेकर भोजनशाला सहित अन्य भव्य पंडालों का निरीक्षण कर यहां पर मौजूद विठलेश सेवा समिति के सेवादारों से चर्चा की। मंदिर परिसर में महोत्सव के लिए भव्य पंडाल स्थाई रूप से बना है। इसको लेकर विठलेश सेवा समिति की ओर से पंडित विनय मिश्रा और पंडित सहित अन्य ने मंदिर परिसर में भोजन, कथा स्थल आदि की व्यवस्था की। विश्व प्रसिद्ध कुबेरेश्वरधाम में आयोजित होने वाले गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर तैयारियां अंतिम चरण में पहुंच गई हैं। आयोजन समिति एवं जिला प्रशासन श्रद्धालुओं की सुविधा एवं सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए व्यापक व्यवस्थाएं कर रहे हैं। महोत्सव में देश-विदेश से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना है।विठलेश सेवा समिति के मीडिया प्रभारी मनोज दीक्षित मामा ने बताया कि 24 जुलाई से 28 जुलाई तक प्रतिदिन दोपहर 1 बजे से शाम 5 बजे तक शिव महापुराण कथा का आयोजन होगा। इसके बाद 29 जुलाई को प्रात: 7 बजे से रात्रि 7 बजे तक भव्य गुरु दीक्षा समारोह एवं गुरु पूर्णिमा महोत्सव आयोजित किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु गुरु का आशीर्वाद प्राप्त करेंगे। महोत्सव की तैयारियों एवं व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संपन्न कराने के लिए 24 जुलाई से रुद्राक्ष वितरण अस्थायी रूप से बंद रहेगा। इस अवधि में स्वयंसेवक आयोजन स्थल की व्यवस्था, श्रद्धालुओं के आवागमन, सुरक्षा एवं अन्य आवश्यक कार्यों में जुटे रहेंगे। गुरु पूर्णिमा महोत्सव को लेकर श्रद्धालुओं का आगमन शुरू हो गया है। इसके चलते कुबेरेश्वरधाम सहित आसपास के होटल, धर्मशालाएं एवं अन्य आवासीय स्थल लगभग हाउसफुल हो चुके हैं। बड़ी संख्या में श्रद्धालु पहले से ही अपने ठहरने की व्यवस्था सुनिश्चित कर रहे हैं।आयोजन को सफल बनाने के लिए समिति एवं जिला प्रशासन द्वारा यातायात, पार्किंग, सुरक्षा, चिकित्सा, पेयजल, साफ-सफाई, बैरिकेडिंग एवं अन्य आवश्यक सुविधाओं की व्यापक तैयारियां की जा रही हैं, ताकि श्रद्धालुओं को किसी प्रकार की असुविधा का सामना न करना पड़े।

नपाध्यक्ष प्रिंस राठौर ने कहा सीहोर को एक आधुनिक, सुविधायुक्त और सर्वांगीण विकसित शहर बनाना

सीहोर शहर के विकास को मिली नई रफ्तार, नगर पालिका की पीआईसी बैठक में 52 प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत

सीहोर। नगर पालिका परिषद सीहोर की पीआईसी (प्रेसिडेंट-इन-काउंसिल) की बैठक आज नगर पालिका अध्यक्ष प्रिंस राठौर की अध्यक्षता में संपन्न हुई। बैठक में शहर के विकास से जुड़े 52 महत्वपूर्ण प्रस्ताव सर्वसम्मति से स्वीकृत किए गए। बैठक में शहर के विभिन्न वार्डों में सड़क, खेल एवं जनसुविधाओं से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्माण कार्यों को हरी झंडी दी गई।

बैठक में वार्ड क्रमांक 2 में बलवंत की चक्की से सम्राट कॉलेज तक तथा पार्वती मेवाड़ा के घर से देवनगर कॉलोनी तक सीसी रोड निर्माण के लिए 31 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की गई। इसी प्रकार वार्ड क्रमांक 4 में टाउन हॉल बस स्टैंड के समीप आधुनिक बास्केटबॉल ग्राउंड के निर्माण हेतु 16 लाख 17 हजार रुपये की मंजूरी दी गई, जिससे शहर के युवाओं और खिलाड़ियों को बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। वार्ड क्रमांक 7 में मुरली रोड से क्यूलटोली रोड होते हुए शासकीय स्कूल तक डामरीकरण कार्य के लिए 39 लाख 60 हजार रुपये स्वीकृत किए गए। वार्ड क्रमांक 21 की अवधपुरी कॉलोनी में शर्मा के घर से पशुपतिनाथ मंदिर होते हुए इंदौर-भोपाल मुख्य मार्ग तक सीसी रोड निर्माण के लिए 16 लाख 70 हजार रुपये की मंजूरी दी गई। वार्ड क्रमांक 34 में जूनियर वाड़ी क्षेत्र में बड़ा मस्जिद से जूनियर वाड़ी डीपी तक सीसी रोड निर्माण कार्य हेतु 37 लाख 90 हजार रुपये स्वीकृत किए गए।

स्वत्वाधिकारी, सम्पादक, मुद्रक, प्रकाशक कृष्णकांत सक्सेना की ओर से आलोक प्रेस तलैया,भोपाल एवं श्री बालाजी प्रिंटर्स, प्लाट नं.21,सेक्टर-एच,इंडस्ट्रियल एरिया,गोविंदपुरा भोपाल से मुद्रित तथा 09 वैशाली नगर ग्राम शेरपुर शंकर मंदिर के पास सीहोर म.प्र. से प्रकाशित।
ब्यूरो प्रमुख -भावना सक्सेना। स्थानीय प्रतिनिधि-मनोज दीक्षित, सभी विवादों का न्याय क्षेत्र भोपाल रहेगा। मो.9425025999 ई-मेल - dainikkshitijkiran@gmail.com, वेबसाइट- www.kshitijkiran.com

जो कहा वो किया

जो सोचा वो हुआ

क्या हिंदू क्या मुसलमान, क्या राम क्या रहीम,
क्या रविन्दर क्या रॉबर्ट सबके लिये समान कानून

मात्र **2 माह** में 27 अप्रैल 2026 को उच्च स्तरीय समिति गठन के बाद, 21 जुलाई 2026 को विधानसभा में ऐतिहासिक मंजूरी

विधानसभा में पारित

समान नागरिक संहिता

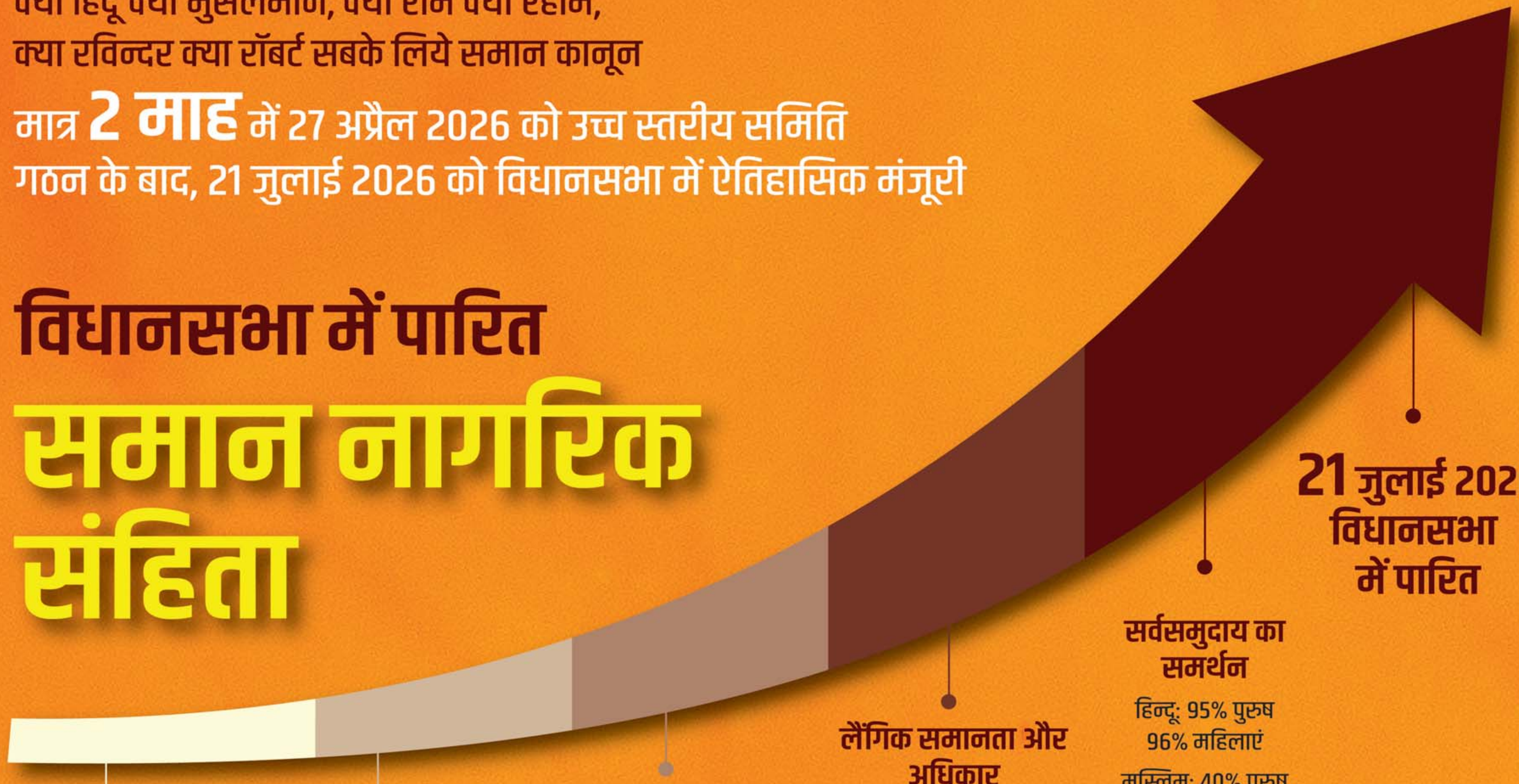

27 अप्रैल 2026 उच्च स्तरीय समिति का गठन

7 सदस्यीय उच्च स्तरीय समिति द्वारा देश के विभिन्न कानूनों और अन्य राज्यों के UCC मॉडलों का गहन तुलनात्मक अध्ययन

अभूतपूर्व जन-भागीदारी

सुझाव हेतु वेब पोर्टल लॉन्च

3.50 करोड़
संदेश नागरिकों को भेजे गए

10 लाख सुझाव मिले
मध्यप्रदेश के विधायी इतिहास में पहली बार

जिला और राज्य स्तर पर
50+ वृहद बैठकें

व्यावहारिक सुझाव संकलित
1,134+

ऐतिहासिक जनसमर्थन

93%
ने समान नागरिक संहिता का समर्थन किया

92%
पुरुष और महिलाएं समान कानून के पक्ष में

लैंगिक समानता और अधिकार

91%
ने भेदभावपूर्ण तलाक कानून हटाने का समर्थन किया

92%
ने बेटियों और माताओं को संपत्ति में समान अधिकार का समर्थन किया

सर्वसमुदाय का समर्थन

हिन्दू: 95% पुरुष
96% महिलाएं

मुस्लिम: 40% पुरुष
80% महिलाएं

ईसाई: 90% पुरुष
95% महिलाएं

सिख: 93% पुरुष
96% महिलाएं

21 जुलाई 2026 विधानसभा में पारित

D-11064/26

प्रदेश की आधी आबादी, सभी बहनों को, दिया उनका हक़

मध्यप्रदेश जनसंपर्क द्वारा जारी
आकल्पन : मध्यप्रदेश माध्यम/2026